दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 गोरखपुर विश्वविद्यालय ने जारी की टापर्स की सूची, 73 में 51 छात्राएं | 5 गोरखपुर में तेंदुआ है या नहीं | 8 सफेद दाढ़ी और थकी हुई आखें...

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 07 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 11 अगस्त,2025

कपड़े, आभूषण और...: ट्रंप के टैरिफ 50 फीसदी होने से आगे क्या होगा

आखिर ट्रंप के 50 फीसदी आयात शुल्क का भारत पर क्या असर पड़ेगा? देश के कौन से क्षेत्र इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे? कौन से क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित नहीं होंगे? अमेरिका में भारतीय उत्पादों के महंगे होने का क्या असर होगा?

दिल्ली,एजेंसी। आखिर ट्रंप के 50 फीसदी आयात शुल्क का भारत पर क्या असर पड़ेगा? देश के कौन से क्षेत्र इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे? कौन से क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित नहीं होंगे? अमेरिका में भारतीय उत्पादों के महंगे होने का क्या असर होगा?

ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ के ऊपर जुर्माने का क्या होगा असर?

इस फैसले से भारत से अमेरिका निर्यात किए जाने वाले अधिकतर उत्पादों का वहां महंगा होना तय है। माना जा रहा है कि इससे भारतीय निर्यातकों को झटका लग सकता है, क्योंकि अमेरिका भारतीय उत्पादों का बड़ा खरीदार है। टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी नागरिक भारतीय उत्पादों की जगह दूसरे देशों से कम टैरिफ दर पर आने वाले सामान को तरजीह दे सकते हैं।

भारत के किन क्षेत्रों पर ज्यादा असर पड़ने की आशंका?

हमारे टेक्सटाइल, आभूषण और रत्न, कृषि और कुछ अन्य सेक्टर पर इस टैरिफ का असर दिख सकता है। 7 अगस्त से प्रभावी हुए 25 फीसदी टैरिफ की बात की जाए तो जो चावल पहले अमेरिकी नागरिक 100 रुपये में पा रहे थे, अब 25 फीसदी आयात शुल्क लगने के बाद वह उन्हें 125 रुपये में मिलेगा। 27 अगस्त को लगने वाले 25 फीसदी अतरिक्त टैरिफ के बाद यह बढ़कर 150 रुपये का हो जाएगा। यही स्थिति अलग–अलग सेक्टर्स के उत्पादों की रहेगी।

1. टेक्सटाइल

भारत के कपड़ा उद्योग के निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका पर निर्भर है। भारत से होने वाला कुल टेक्सटाइल निर्यात का 28 फीसदी अकेले अमेरिका को जाता है, जिसकी कुल कीमत 10.3 अरब डॉलर से ज्यादा है।

नए टैरिफ का असर इस सेक्टर पर सबसे ज्यादा पड़ेगा। वहीं वियतनाम, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे दशों को इसका फायदा होगा। वियतनाम पर अमेरिका 19 फीसदी टैरिफ लगा रहा है, वहीं इंडोनेशिया पर ट्रंप ने 20 फीसदी टैरिफ लगाया है। इस लिहाज से भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को अमेरिकी टैरिफ के चलते प्रतियोगिता में नुकसान होने की आशंका है। इसी तरह बांग्लादेश और कंबोडिया के ऊपर भी टैरिफ दर 20 फीसदी से कम है।

2. रत्न–आभूषण

भारत के रत्न और आभूषण से जुड़े सेक्टर पर भी अमेरिकी टैरिफ का बड़ा प्रभाव पड़ने की आशंका है। इस सेक्टर से अमेरिका को हर वर्ष 12 अरब डॉलर का निर्यात करता है।

मौजूदा समय में इस उद्योग पर अमेरिका का बेसलाइन 10 फीसदी टैरिफ लगता है, जिसका एलान अप्रैल में ही किया गया था, जबकि इससे पहले तक यह ड्यूटी पॉलिश्ड हीरों पर शून्य, सोने और प्लैटिनम ज्वैलरी पर 5–7 प्रतिशत और चांदी की ज्वैलरी पर 5–13.5 फीसदी तक टैरिफ लगता था। नए टैरिफ के चलते रत्न–आभूषण से जुड़े सेक्टर्स को बड़े नुकसान की आशंका है।

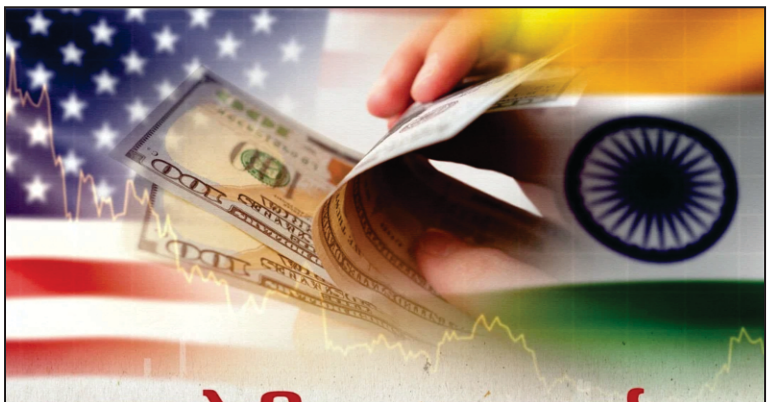

भारत के किस उत्पाद वर्ग पर कितना होगा अमेरिकी टैरिफ?

उत्पाद वर्ग	अमेरिका को निर्यात (अरब डॉलर)	भारत के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी	अमेरिका का मौजूदा एमएफएन शुल्क	नया ट्रंप टैरिफ	कुल टैरिफ
मरीन उत्पाद	2.0	32.4%	0.0%	50%	50%
पेट्रोलियम उत्पाद	4.1	4.3%	6.9%	0%	7%
जैविक रसायन	2.7	13.2%	4.0%	50%	54%
फार्मा	9.8'	39.8%	0.0%	0%	0%
कालीन	1.2	58.6%	2.9%	50%	53%
परिधान; बुने हुए	2.7	34.5%	13.9%	50%	64%
परिधान; सिले हुए	2.7	32.2%	10.3%	50%	60%
वस्त्र; बने बनाए उत्पाद	3.0	48.4%	9.0%	50%	59%
हीरे, सोना व संबंधित उत्पाद	10.0	40.0%	2.1%	50%	52%
इस्पात, एल्युमिनियम, तांबा	4.7	16.6%	1.7%	50%	52%
मशीनरी व यांत्रिक उपकरण	6.7	20.0%	1.3%	50%	51%
स्मार्टफोन	10.6	43.9%	0.0%	0%	0%
वाहन व उनके कल-पुर्जे	2.6	11.4%	1.0%	25%	26%
फर्नीचर; बिस्तर, गद्दे	1.1	44.8%	2.3%	50%	52%

3. कृषि उत्पाद

भारत फिलहाल अमेरिका को 5.6 अरब डॉलर से ज्यादा के कृषि उत्पाद निर्यात करता है। उसके बड़े निर्यातों में से मरीन उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, आयुष और हर्बल उत्पाद, खाद्य तेल, शक्कर और ताजा सब्जियां और फल भी निर्यात इसमें शामिल है। माना जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ का सबसे ज्यादा असर भारत की सीफूड इंडस्ट्री यानी मरीन उत्पादों पर पड़ेगा।

4. इ और किन–किन सेक्टर्स पर असर पड़ने की आशंका

इन सेक्टर्स के अलावा चमड़ा और फुटवियर उद्योग से अमेरिका को हर वर्ष 1. 18 अरब, केमिकल उद्योग 2.34 अरब और इलेक्ट्रिक और मशीनरी उद्योग 9 अरब डॉलर का निर्यात करता है।

कौन से सेक्टर ट्रंप के टैरिफ के असर से बच सकते हैं?

1. इलेक्ट्रानिक्स

भारत का इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर अमेरिका को सबसे ज्यादा निर्यात करने वाला सेक्टर है। बीते कुछ वर्षों में भारत स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स के मामले में अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यातक बना है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने गुरुवार को सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका में इस सेक्टर पर आयात शुल्क लगाने के लिए उसे सेक्शन 232 की समीक्षा करनी पड़ेगी। यानी इस सेक्टर को अमेरिकी टैरिफ से राहत मिलने का अनुमान है।

2. फार्मा

भारत के फार्मा सेक्टर के लिए अमेरिका सबसे बड़ा गंतव्य है। रिपोर्ट्स की मानें तो भारत का अमेरिका को कुल निर्यात 10.5 अरब डॉलर का रहा है। यानी भारत के कुल फार्मा निर्यात का करीब 40 फीसदी हिस्सा अमेरिका को ही जाता है। विश्लेषकों ने दावा किया है कि भारत के इस सेक्टर को फिलहाल ट्रंप के टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने कहा है कि अभी के लिए भारतीय फार्मा सेक्टर पर ट्रंप के जवाबी टैरिफ का न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा, लेकिन भविष्य में किसी अतिरिक्त टैरिफ से इनकार नहीं किया जा सकता है।

ट्रंप के टैरिफ पर क्या है जानकारों की राय?

अमर उजाला ने आर्थिक मामलों के दो जानकारों से यह समझने की कोशिश की कि ट्रंप के इस टैरिफ का आगे क्या असर होगा? आइये जानते हैं इस मुद्दे पर विशेषज्ञ क्या कहते हैं...

1. किशोर ओस्तवाल

सीएनआई इन्फोएक्सचेंज प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी किशोर ओस्तवाल ने हमें बताया कि अगर अमेरिका को भारत पर सिर्फ इतना ज्यादा टैरिफ ही लगाना था तो शायद वह 24 अगस्त को अपना व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत भेजता ही नहीं। जाहिर तौर पर अमेरिका अपने आयात शुल्क को कम करना और एक फायदे वाला समझौता चाहता है। हालांकि, भारत के कुछ सेक्टर्स को अमेरिका से अभी भी राहत मिली है।

इनमें स्मार्टफोन सेक्टर और फार्मा सेक्टर सबसे ऊपर हैं। यानी भारत के करीब आधे निर्यात (50–55%) पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। दूसरी तरफ अमेरिका में बीते कुछ समय में महंगाई दर काफी ज्यादा रही है। अब अगर दुनिया के अधिकतर देशों पर टैरिफ बढ़ा है और भारत के सस्ते उत्पाद भी 50 फीसदी टैरिफ के दायरे में आकर और महंगे हो जाते हैं तो तीन–चार साल बाद शांत हुई महंगाई के फिर से बढ़ने का खतरा है।

ऐसे में आने वाले समय में अमेरिकी नागरिक बढ़ती महंगाई के विरोध में उतर सकते हैं। ओस्तवाल ने आगे कहा, "जिन देशों पर टैरिफ लगा है वे आने वाले समय में अपने निर्यात को कम कर सकते हैं और कुछ दूसरे देशों से मुफ्त व्यापार समझौते (एफटीए) की तरफ जा सकते हैं या बार्टर सिस्टम (एक–दूसरे से उत्पादों का लेन–देन) की तरफ जा सकते हैं, ताकि अमेरिका के निर्यात पर उनकी निर्भरता कम हो।"

2. अजय केडिया

केडिया सिक्योरिटीज के निदेशक और आर्थिक मामलों के जानकार अजय केडिया ने कहा कि हमें अब तक अमेरिका से ट्रेड सरप्लस का फायदा मिल रहा था। लेकिन अब ट्रंप प्रशासन की तरफ से टैरिफ और जुर्माना लगाए जाने का असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भारत के जो उत्पाद अमेरिका में आने वाले समय में टैरिफ का सामना करेंगे, उनके निर्यात में 40–50 फीसदी के करीब गिरावट आ सकती है। खासकर रत्न–आभूषण के सेक्टर में 50 फीसदी की गिरावट हो सकती है।

केडिया ने कहा कि मौजूदा समय में जिस वॉल्यूम में भारत निर्यात करता है, उसके विकल्प को ढूंढने में अमेरिका को मुश्किल आ सकती है। इससे वहां महंगाई बढ़ने की आशंका है। दूसरी तरफ उसने अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए अधिकतर देशों पर 15–30 फीसदी आयात शुल्क लगाया है। यानी अमेरिका में महंगाई बढ़ना तो तय है।

"राहुल जी ने वोट चोरी पर बड़ा खुलासा किया है, जिसकी जांच होनी चाहिए. चुनाव आयोग वोटर लिस्ट नहीं दे रहा है. जांच करने के बजाए, हलफनामा मांग रहा है. हम लगातार डेटा दिखा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार ही नहीं है. BJP सरकार विपक्ष पर ED, CBI लगाकर तमाम जांच कर रही है तो यहां नाक के नीचे हुए पूरे कांड की जांच क्यों नहीं हो रही?"

प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

मिस टीन अर्थ 2025 की फाइनलिस्ट ताजमहल की खूबसूरती देख दंग!

आगरा में मिस टीन अर्थ 2025 की फाइनलिस्ट ताजमहल के दीदार को आगरा पहुंचीं. ये सुंदरियां स्पेन, मेक्सिको ,फिलीपींस, नेपाल, नीदरलैंड, वियतनाम, केनेडा, कंबोडिया, क्यूबा और श्रीलंका से थीं. उन्होंने ताज की खूबसूरती का दीदार किया, इस दौरान पर्यटक उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उत्साहित दिखें।

दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में एक्टर हुमा कुरैशी के भाई की हत्या

दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. यहां बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चचेरे भाई आसिफ कुरैशी का मर्डर कर दिया गया. स्कूटी पार्किंग को लेकर शुरू हुआ छोटा सा विवाद हत्या की वारदात में तब्दील हो गया. इसके बाद गुरुवार (7 अगस्त) की देर रात करीब 11.00 बजे उनकी हत्या कर दी गई।

अजीत डोभाल ने राष्ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

सम्पादकीय

दर्द या पश्चाताप के आंसू

प्रलय के बीच गलतियों में डूबता मंथन, सिर्फ पहाड़ को कोस कर अपने पाप नहीं छुपा सकता। दोष की एक लंबी फेहरिस्त और समय के चाबुक से पहाड़ की नंगी पीठ के घाव बता रहे हैं कि फिर से खाके सजाने पड़ेंगे या जीने की मुनादी नहीं, जीने के पांव छुपाने पड़ेंगे। कम से कम शर्तें तो यही हैं कि पहाड़ अब अपनी ही कंद्राओं में छुप जाए और यहां रहने वाले आदिमानव हो जाएं। बहरहाल हिमाचल के बाद उत्तरकाशी का दर्द और पश्चाताप के आंसू लिए पहाड़ अपने भीतर पाप के ऐसे घड़े फोड़ रहा है, जो उसके हैं ही नहीं। मात्र 34 सेकेंड में उत्तराखंड का एक खुशहाल गांव धराली का अस्तित्व मिट गया। इस चीखोपुकार में किसी का घर, किसी का मोहल्ला गया। आंसुओं के उस सैलाब में किसी का बेटा, किसी की मां और किसी के सारे रिश्ते बह गए। बची है प्रायश्चित की आंखें, चंद खंडहर, सिसकती यादें और विध्वंस की छुरी से बच गए और कुछ बाढ़ के रास्ते में नहीं आए। हम केंचुए से नहीं पूछ सकते, उसकी रीढ़ क्यों नहीं और न ही बारिश से पूछ सकते, उससे मर्यादा के सवाल। वह आएगी, पहाड़ पर होते हुए ही आएगी। उसके दामन में बादलों का डेरा, उजड़ती धूप में दिन भी अकेला। कमोबेश पहाड़ का जीवन भी बरसात में अकेला होने के खौफ में, इन दिनों नागरिक समाज से सरकार तक भयावह परिस्थिति में है। हमने यह भी देखा कि जो बादल उत्तराखंड में आए, वे रिश्तेदारी में हिमाचली ही थे, लेकिन केंद्र ने अपने रिश्ते बदल दिए। रहम की पट्टियां वहां जल्दी पहुंच गईं जहां चौबारे सियासत के मजबूत पायों पे थे। अब राहत की चपाती पर भी सियासत लिखी जाए, तो कौन अपना चेहरा दिखाकर खुद को इनसान कह पाएगा। कहर उत्तराखंड को दर्द देता है और इसलिए दोनों राज्यों के बचाव में सुलूक को एक जैसा देखा जाएगा। बहरहाल, उत्तरकाशी के गांव की विनाश लीला ने पर्वत की आर्थिकी में पर्यटन के धमाल को कोसना शुरू किया है। पहाड़ पर पर्यटन कहने को मंजिल है, लेकिन जीने की तमन्ना ने आंखें खोलीं, तो खुरदरी सतह पर सबसे पहले अपने पांव दुरुस्त किए। ऐसे में अगर हिमाचल और उत्तराखंड ने आगे बढ़ने के लिए पर्यटन की किश्तियां खोजीं, तो क्या गुनाह किया। पर्यटन सिर्फ खाका नहीं, अनुभव की शैली में सुकून और रोमांच की एक अदा है।

ये अदा प्राकृतिक और स्वाभाविक रूप से जितनी उत्तराखंड को मिली, उससे कहीं अधिक हिमाचल को मिली। यह दीगर है कि उत्तराखंड के फलक पर पर्यटन के पांव ज्यादा चले और कनेक्टिविटी ने यात्रा को गति से जोडक़र समागम बना दिया। हमारे बद्रीनाथ भी ऊंचे पहाड़ पर हैं, लेकिन मणिमहेश और श्रीखंड जैसी यात्राओं को हमने हाई–वे नहीं बनाया।

पर्यटन में भी पड़ोसी राज्य हमसे आगे हैं। इसी बीच हिमाचल ने भी पर्यटन की मात्रात्मक गिनती शुरू करके पांच करोड़ सैलानी बुलाने का मंतव्य चुना, तो हमने सर्वप्रथम इन्हीं कालमों में इस आइडिया को घातक बताया था। अब पुनः बहस उत्तराखंड के मार्फत हमारे करीब आई है कि पहाड़ पर सैलानी आने के मानदंड सुनिश्चित करने पड़ेंगे। सारा उत्तराखंड पर्वत नहीं और न ही हिमाचल सिर्फ पहाड़ की चोटियां पर बसता है। अब तय यह करना है कि पर्यटन की सुविधा, संख्या और साधन किस हद तक जुटाए जाएं। परिवहन सेवाओं के दबाव में जरूरतों का हिसाब रखें, तो पर्यटन को हांकते वाहनों पर नजर होनी चाहिए। कम से कम दरकते और बहकते पर्वतीय परिवेश को बचाने के लिए केंद्र को अपने तौर पर यह सुनिश्चित करना होगा कि पहाड़ की आपदा, केवल इसी क्षेत्र की वजह से नहीं है और भविष्य के अनुसंधान, अध्ययन, तकनीक व टीसीपी जैसे कानूनों के तहत विकास योजनाओं की संरचना में वित्तीय संसाधनों की प्राथमिकताएं पहले से तय करनी होंगी। हिमाचल व अन्य पर्वतीय राज्यों के पर्यटन मॉडल को सुदृढ़ करते हुए, भूमि इस्तेमाल की स्पष्टता और अनिवार्यता को तयशुद्धा पैमानों से जोडऩे के लिए वन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की सहजता में नए आलेख जोडऩे होंगे। कत्ल तो जंगल भी कर रहा है, तो उसे क्यों न समझा व नए सिरे से परखा जाए।

हर नागरिक को है सरकार से सवाल पूछने का अधिकार

सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करनाकृखासकर बाहरी खतरे के समयकृराष्ट्र–विरोधी नहीं, बल्कि अक्सर देशभक्ति का सर्वोच्च रूप होता है। स्पष्ट कर दें: राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति और विपक्ष के नेता हो सकते हैं, लेकिन सरकार से सवाल करने का उनका अधिकारकृयहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर भीकृसंविधान द्वारा संरक्षित है। भारत के संविधान के तहत सरकार की आलोचना करने का नागरिक का अधिकार सुरक्षित है। फिर भी, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज महीश की एक बेंच ने 4 अगस्त, 2025 को भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाया। राहुल गांधी ने 2022 में अपने भारत जोड़ो यात्रा अभियान के दौरान टिप्पणी की थी कि भारत ने अपनी 2000 वर्ग किलोमीटर ज़मीन खो दी है जिस पर चीन का कब्ज़ा। बेशक, यह एक संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन फिर लोकतंत्र में, सरकार की आलोचना न केवल एक अधिकार है, बल्कि एक सच्चे नागरिक का कर्तव्य भी है। सुप्रीम कोर्ट ने 'एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा' या 'अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते' जैसी टिप्पणी करके गलती की है, जैसा कि बताया गया है? क्या उनकी भारतीयता पर सवाल उठाना समस्याजनक नहीं है? आइए, भारत के संविधान पर एक नजऱ डालें, जो 'सच्चे भारतीय' शब्द को परिभाषित नहीं करता। हर नागरिक क़ानून के सामने समान है, चाहे उसके राजनीतिक विचार कुछ भी हों या सरकार की आलोचना कुछ भी हो। न्यायपालिका का काम क़ानून की व्याख्या करना और क़ानूनी व्याख्या के आधार पर अपना फ़ैसला सुनाना है, न कि देशभक्ति पर नजऱ रखना। सुप्रीम कोर्ट की विश्वसनीयता निष्पक्षता पर टिकी है। नैतिक या राजनीतिक निर्णय का संकेत देने वाली टिप्पणियां –जैसे किसी को 'सच्चा' या 'असच्चा' भारतीय कहना– क़ानूनी रूप से अस्पष्ट हैं और उनका कोई संवैधानिक आधार नहीं है। ज़रूरी है कि राहुल गांधी की टिप्पणी, चाहे कोई इससे सहमत हो या न हो, चीनी घुसपैठ से निपटने में सरकार की विफलता की आलोचना करने वाली एक राजनीतिक टिप्पणी थी, न कि भारत के प्रति बेवफ़ाई का बयान। सेना की स्थिति और चीन के हाथों हुई तकलीफ़ों या भारतीय क्षेत्र में चीन की घुसपैठ पर सरकार के कुप्रबंधन की आलोचना करना लोकतांत्रिक विमर्श का एक हिस्सा मात्र है, देशद्रोह या भारत–विरोधी नहीं। ऐसे भाषणों या बयानों को 'अभारतीय' कहना ख़तरनाक बयानबाज़ी है– खासकर देश की सर्वोच्च अदालत से। बेशक, न्यायाधीश गैर–ज़िम्मेदाराना भाषण की निंदा कर सकते हैं, लेकिन 'आप सच्चे भारतीय नहीं है' कहना क़ानून और विचारधारा के बीच की रेखा को धुंधला कर देता है। 'सच्चे भारतीय' शब्द के अर्थ भिन्न हो सकते हैं यदि इसे देश की लोकतांत्रिक राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जाए। अब भारत में हर कोई जानता है कि आरएसएस–भाजपा का 'सच्चा भारतीय' किसी भी अन्य राजनीतिक दल के 'सच्चे भारतीय' से गुणात्मक रूप से भिन्न है। लोगों के 'सच्चे भारतीय' के मानक पर भी अलग–अलग विचार हैं। कोई यह समझ नहीं पा रहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 'सच्चा भारतीय' कहकर क्या अभिप्राय व्यक्त किया। यह अस्पष्ट है। जब हम इस मुद्दे को न्यायिक नैतिकता के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय की पीठ की ऐसी टिप्पणी न्यायिक निष्पक्षता को संभावित रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। इस अर्थ में, ऐसी टिप्पणी न केवल अस्पष्ट और निरर्थक है, बल्कि एक बुरी मिसाल भी है। भारतीय व्यंजन क्या इस टिप्पणी को निरर्थक कहना पीठ, सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका का अनादर है? बिल्कुल नहीं, क्योंकि यह केवल न्यायालय की एक गलत चुनी गई टिप्पणी की आलोचना है, उससे अधिक कुछ नहीं, क्योंकि न्यायाधीशों से कानून के निष्पक्ष निर्णायक होने की अपेक्षा की जाती है। यह अच्छी बात है कि इस टिप्पणी के बावजूद हमारे माननीय न्यायाधीशों ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की कार्रवाई पर रोक लगा दी और मामले से जुड़े पक्षों को नोटिस जारी किए। जब सर्वोच्च न्यायालय देश के वर्तमान विपक्ष के नेता, एक नागरिक की देशभक्ति पर सवाल उठाता है, तो वह वैधता के बजाय अदालत से निकलकर चुनावी अभियान में उतर जाता है –जहां तर्क की जगह बयानबाजी ले लेती है। कानून के बिंदुओं के बजाय एक पीठ द्वारा देशभक्ति पर सवाल उठाने से न्यायिक निष्पक्षता से राजनीतिक बयानबाजी में बदलने का जोखिम पैदा हो गया है, जो न्याय और लोकतांत्रिक संवाद, दोनों को कमजोर कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कई अन्य कारणों से भी बेहद परेशान करने वाली है। इनमें से पहला यह है कि यह तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है जब अदालत ने राहुल गांधी से पूछा, 'आपको कैसे पता कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर कब–कब हासिल किया था? विश्वसनीय सामग्री क्या है?' इसलिए, हमें यह जानने की ज़रूरत है कि 2000 वर्ग किलोमीटर कहां से आया, जो आधिकारिक तौर पर चीन के कब्जे में 43,180 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि, जिसे भारत सरकार स्वीकार करती है, के अलावा है, जिसमें चीन को पाकिस्तान द्वारा सौंपी गई 5180 वर्ग किलोमीटर भूमि भी शामिल है। 2000 किलोमीटर की विवादित सीमा कई विश्वसनीय स्रोतों से आई है, जिनमें भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और खोजी रिपोर्ट शामिल हैं, जिन्होंने पुष्टि की है कि जून 2020 में चीन–भारत संघर्ष के बाद से, भारत ने पूर्वी लद्दाख के इस क्षेत्रफल को खो दिया है। यह ज़मीन औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है, लेकिन भारतीय गश्ती दल को पहुंच से वंचित कर दिया गया है, बफर ज़ोन का विस्तार किया गया है, और ज़मीनी स्तर पर चीनी नियंत्रण मज़बूत हो गया है। लद्दाख पुलिस, स्वतंत्र रिपोर्टों और आंतरिक आकलनों ने 65 में से 26 गश्ती बिंदुओं पर गश्त के अधिकारों के नुकसान को भी स्वीकार किया है, जो अप्रत्यक्ष रूप से गांधी द्वारा कही गई बात की पुष्टि करता है। इसलिए, राहुल गांधी की टिप्पणियां यूं ही नहीं की गईं। वे इस चल रही वास्तविकता पर आधारित थीं, जो उन चिंतित नागरिकों और सैनिकों की ओर से व्यक्त की गई थीं जो सरकार की चुप्पी और अस्पष्टता को एक गंभीर विफलता मानते हैं। गांधी की चेतावनी एक ऐसे विषय पर पारदर्शिता और राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास थी, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की कूटनीतिक चुप्पी छाई हुई है। भारतीय व्यंजन सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पूछा कि राहुल गांधी ने संसद में नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट में यह सवाल क्यों उठाया? ...आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? ऐसे सवाल देश के विपक्ष के नेता पर दबाव डालते हैं, जिसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव निवारक होता है। विपक्ष के नेता के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें सार्वजनिक राजनीतिक अभियान, सोशल मीडिया, संसद या अपनी पसंद के किसी भी अन्य स्थान पर राष्ट्र से जुड़े मुद्दे उठाने का अधिकार है। उन्हें संसद के अंदर और बाहर, दोनों जगह सरकार की आलोचना करने का अधिकार है। पीठ ने कहा था कि सिर्फ इसलिए कि आपके पास अनुच्छेद 19(1)(ए) है, आप कुछ भी नहीं कह सकते। यह विपक्ष के नेता पर एक और दबाव है। न्यायपालिका का काम संविधान की रक्षा करना और क़ानूनी मामलों पर फै सला सुनाना है, न कि यह तय करना कि कौन 'सच्चा भारतीय' है या नहीं। देशभक्ति की कोई संवैधानिक कसौटी नहीं है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। जैसे ही इसकी व्याख्या राष्ट्रवाद के चश्मे से की जाती है, हम क़ानून की जगह एक व्यक्तिपरक नैतिक संहिता को वैध ठहराने का जोखिम उठाते हैं। आरएसएस–भाजपा द्वारा भारत के लोगों पर अपनी व्यक्तिपरक नैतिक संहिता थोपने के निरंतर प्रयास, और जिनकी नैतिक संहिताएं कभी–कभी भारत के संविधान में निहित मूल्यों के बिल्कुल विपरीत होती हैं, की पृष्ठभूमि में न्यायालय की टिप्पणी जोखिम भरी है। पीठ की इस तरह की टिप्पणियों से अदालत की निष्पक्षता में जनता का विश्वास कम होने का खतरा है। ऐसे समय में जब राजनीतिक सत्ता और संस्थागत स्वतंत्रता के बीच की रेखा पहले से ही तनावपूर्ण है, इस तरह की टिप्पणी इन सीमाओं को और धुंधला कर देती है। इतिहास हमें सिखाता है कि सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करनाकृखासकर बाहरी खतरे के समयकृराष्ट्र–विरोधी नहीं, बल्कि अक्सर देशभक्ति का सर्वोच्च रूप होता है। स्पष्ट कर दें: राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति और विपक्ष के नेता हो सकते हैं, लेकिन सरकार से सवाल करने का उनका अधिकारकृयहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर भीकृसंविधान द्वारा संरक्षित है। देशभक्ति वाली टिप्पणी के ज़रिए उस अधिकार को खारिज करना लोकतंत्र और सच्चाई, दोनों के लिए नुकसानदेह है।

सरकारों की विकासलीला

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने की घटना ने एक बार फिर केदारनाथ हादसे की याद दिला दी है, जिसमें हजारों जिंदगियां तबाह हो गई थीं। केदारनाथ से धराली के बीच बाढ़ और भूस्खलन के कई और हादसे देश के अन्य इलाकों में हो चुके हैं। जान–माल का भारी नुकसान होने के बावजूद ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक हमने नहीं लिया है। हर बड़ी दुर्घटना को प्रकृ ति की विनाशलीला कहकर अपने सिर से जिम्मेदारी झटक दी जाती है। हम कभी यह नहीं कहते कि ये दुर्घटनाएं लोभी सरकारों की विकासलीला का परिणाम हैं। हिमालय को भारत का मुकुट बताकर उस पर गर्व करना, हिमालय की सुंदरता का बखान, उस पर धार्मिक पहचान का ठप्पा इन सबके चक्कर में हिमालय की वास्तविकता से आंख चुराई जाती रही। सत्ता में बैठे बहुत कम लोग इस बात की फिक्र करते हैं कि उनके फैसलों का असर भौगोलिक संरचना को कैसे बिगाड़ रहा है। धराली में सैलाब ने बस्ती को उजाड़ दिया। हर्षिल क्षेत्र में खीर गंगा गदेरे (गहरी खाई या नाला) का जलस्तर अचानक बढ़ने से धराली गांव में एक के बाद एक बड़ी लहरें आई और समूचे गांव को मिनटों में सूना कर दिया। इस घटना में 40 से 50 घर बह गए हैं और सौ से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। असल में कितनों की मौत हुई, कितने बचे, कितने लापता हुए इसका कुछ पता नहीं है। एक स्थानीय नागरिक के मुताबिक गांव के ज़्यादातर लोग एक पूजा में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। चार अगस्त की रात और पांच अगस्त की सुबह भी पूजा थी। पूरा गांव पूजा में शामिल हो रहा था, अगर हादसा चार तारीख को होता, तो शायद नुकसान और बड़ा होता। गौरतलब है कि धराली गंगोत्री के रास्ते में पड़ता है और ये जगह हर्षिल वैली के पास है, यहीं कल्प केदार का है, जहां श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। चारधाम यात्रा का रास्ता धराली से होकर भी गुज़रता है. ऐसे में श्रद्धालु कई बार धराली के होटलों में भी रुकते हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि छोटे–बड़े घरों, दो मंजिला मकानों, होटलों तक सब सैलाब में बहते गए, वीडियो में घबराए लोगों की चीख–पुकार भी सुनी जा सकती है, वहीं पहाड़ के ऊपर की तरफ से लगातार सीटियों की आवाज सुनाई दे रही है। दरअसल ये सीटियां मौजमस्ती की नहीं, बल्कि चेतावनी की है। मुखबा गांव से धराली गांव के ऊपर के क्षेत्र की पहाड़ियां दिखाई देती हैं। मुखबा के लोगों ने पहाड़ी से जैसे ही खीर गंगा को उफन कर नीचे आते देखा तो धराली के लोगों को आगाह करने के लिए सीटियां बजानी शुरू कर दी। अब इस चेतावनी को कितनों ने समझा और कितनों ने अपनी जान बचाई, इसका कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। वैसे स्थानीय लोगों के मुताबिक पहाड़ों पर सीटी बजाकर आपदा की सूचना देने का तरीका काफी पहले से आजमाया जाता रहा है। मुहावरों, लोकोक्तियों में भी कई तरीके से इस बात को समझाया गया है कि जंगल, नदी, पहाड़ों के साथ इंसान का व्यवहार कैसा होना चाहिए। अगर इंसान अपनी हद पार करे तो फिर क्या नुकसान हो सकता है, यह भी लोकभाषा में वर्णित है। मगर आधुनिकता की हनक में लोक संस्कृति, व्यवहार और भाषा का तिरस्कार किया जाता है, जिसका खामियाजा कभी न कभी भुगतना ही पड़ता है। उत्तराखंड को लेकर काफी अर्से से चेतावनी दी जाती रही है कि यहां का मिज़ाज समझ कर ही फैसले लिए जाने चाहिए। किंतु इन चेतावनियों को लगातार नजरंदाज कर धर्म के नाम पर पर्यटन को बढ़ाना और विकास के नाम पर पहाड़ों का दोहन जारी है। विकास और रोजगार के नाम पर तेजी से पहाड़ों को काटा जा रहा है, कहीं सुरंग, कहीं पुल, कहीं सड़कें बन रही हैं। लाखों पेड़ काटकर, जंगल उजाड़ कर कारखाने लगाए जा रहे हैं, बड़े बांध बन रहे हैं। इन सबका दुष्परिणाम बार–बार सामने आ रहा है। हर बार तबाही के बाद सरकार के रटे–रटाए वाक्य सामने आते हैं कि मुश्किल की इस घड़ी में हम लोगों के साथ हैं।

गोरखपुर में सरयू और राप्ती नदियां उफान पर

सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर
राप्ती नदी में जलस्तर में वृद्धि
सिंचाई विभाग द्वारा अलर्ट जारी

बड़हलगंज के बगहा देवार संपर्क मार्ग के करीब पहुंचा सरयू नदी का पानी

नेपाल में भारी बारिश के चलते गोरखपुर में सरयू और राप्ती नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि राप्ती नदी का जलस्तर भी बढ़ा है लेकिन अब गति धीमी है। रोहिन नदी में जलस्तर कम हुआ है। सिंचाई विभाग ने कर्मचारियों को अलर्ट कर दिया है और बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है।

संवाददाता, गोरखपुर। नेपाल के साथ मानसूनी वर्षा के चलते पिछले 24 घंटे में सरयू व राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ा है। सरयू नदी का जलस्तर जिन सात स्थानों पर मानीटर होता है, उनमें से छह स्थानों पर सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राप्ती नदी का जलस्तर पिछले 36 घंटे में बर्डघाट में ढाई मीटर तक बढ़ गया था, लेकिन पिछले 24 घंटे में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार कम हुई है। बर्डघाट में राप्ती नदी भी पिछले 12 घंटे में 10 सेंटीमीटर कम हुई है। वहीं, रोहिन नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटे में कम हुआ है। अयोध्या पुल के पास लगे मीटर गेज पर सरयू का पानी खतरे के निशान से 31 सेमी ऊपर बह रहा था। 24 घंटे में यहां जलस्तर 9 सेंटीमीटर बढ़ा है। सरयू नदी कतरनिया छोड़कर एल्गिन पुल, अयोध्या पुल, बरहज, तुर्तीपार,

चांदपुर व मांझी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, रोहिन नदी में पानी पिछले 24 घंटे में घटा है। त्रिमुहानी पर रोहिन 24 घंटे में 22 सेंटीमीटर घटी है। वहीं, बर्डघाट में राप्ती नदी भी पिछले 12 घंटे में 10 सेंटीमीटर कम हुई है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि सरयू नदी छोड़कर राप्ती व रोहिन नदी का जलस्तर स्थिर है। लगातार बारिश को देखते हुए संबंधित कर्मचारियों को अलर्ट कर दिया गया है। बड़हलगंज व कैंपियरगंज क्षेत्र में बाढ़ के संभावित इलाकों पर विशेष नजर है।

पूर्व चेयरमैन व 2 रेलकर्मियों के आवास पर सीबीआई का छापा

गोरखपुर,संवाददाता। आरआरबी में जांच करने के बाद दोपहर में इन तीनों के आवास पर भी जाने की सूचना है। लेकिन, कोई मिला नहीं। सीबीआई की टीम ने घर वालों से पूछताछ की और जरूरी प्रपत्र मौके से लिए हैं। बताया जा रहा है कि मॉडर्न कोच फैक्टरी, रायबरेली में फर्जी तरीके से बेटों की नियुक्ति कराने के संबंध में ये छापा मारा गया है।

आरआरबी के पूर्व चेयरमैन और दो रेलकर्मियों के आवास पर बृहस्पतिवार को सीबीआई का छापा पड़ा है। बताया जा रहा है कि ये छापा लखनऊ की सीबीआई की टीम ने डाला है। पूर्व में हुए नियुक्ति प्रकरण में गड़बड़ी की जांच करने सीबीआई की टीमें आई हैं। आरआरबी में जांच करने के बाद दोपहर में इन तीनों के आवास पर भी जाने की सूचना है। लेकिन, कोई मिला नहीं। सीबीआई की टीम ने घर वालों से पूछताछ की और जरूरी प्रपत्र मौके से लिए हैं। बताया जा रहा है कि मॉडर्न कोच फैक्टरी, रायबरेली में फर्जी तरीके से बेटों की नियुक्ति कराने के संबंध में ये छापा मारा गया है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। रेलवे भर्ती बोर्ड के निर्देश पर पिछले महीने जांच करने आई दिल्ली विजिलेंस की टीम ने वर्ष 2018 से अब तक की हुई सभी नियुक्तियों से संबंधित 280 फाइलें अपने साथ ले गई थी।

प्रारंभिक जांच के आधार पर पहले गोरखपुर आरआरबी के चेयरमैन नुरुद्दीन अंसारी और उनके निजी सचिव को निलंबित कर दिया गया था। सूत्रों की माने तो रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को ही इस संबंध में आरआरबी गोरखपुर के चेयरमैन को केस दर्ज कराने के लिए पत्र भेजकर निर्देश दिया है।

कानपुर से रोडवेज बस में आया था 14 क्विंटल मिलावटी खोआई

गोरखपुर,संवाददाता। बांदा डिपो की गोरखपुर आई बस में 31 बोरी खोआ कानपुर में लोड किया गया था। इसकी जानकारी होने पर रोडवेज के आरएम लव कुमार व अन्य अफसर इस बस की तलाश करते हुए पहुंचे। चालक–कंडक्टर ने इस बस को रोडवेज परिसर के बजाय डीएम कार्यालय के नजदीक सड़क पर खड़ा किया था। मिलावटी खोआ आने का धंधा रुक नहीं रहा है। बांदा डिपो की एक बस में रखे 31 बोरी खोआ को रोडवेज के अफसरों ने पकड़ा और खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित किया। मौके पर कोई इसका दावेदार नहीं आया। हालांकि, दोपहर बाद दो व्यापारी इसमें से 26 बोरी खोआ को अपना बताते हुए ले गए। पांच बोरी खोआ विभाग में जब्त है। सभी का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। चर्चा है कि रक्षाबंधन में मिठाई की खपत को देखते हुए खोआ मंगाया जा रहा है। बीते साल दशहरा–दिवाली और इस साल होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया। उस दौरान रोडवेज बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर भी बड़ी मात्रा में कानपुर का मिलावटी खोआ पकड़ा गया था। लगातार कार्रवाई हुई तो खोआ मंडी के व्यापारियों ने भी मिलावटी खोआ बेचने से हाथ खड़ा किया था। लेकिन कुछ महीने की शांति के बाद ही यह धंधा फिर पुराने ढर्रे पर लौट आया है। बांदा डिपो की गोरखपुर आई बस में 31 बोरी खोआ कानपुर में लोड किया गया था। इसकी जानकारी होने पर रोडवेज के आरएम लव कुमार व अन्य अफसर इस बस की तलाश करते हुए पहुंचे। चालक–कंडक्टर ने इस बस को रोडवेज परिसर के बजाय डीएम कार्यालय के नजदीक सड़क पर खड़ा किया था। अफसर वहां पहुंचे और कंडक्टर–चालक से गड़ी में लदी बोरियों के बारे में पूछताछ की तो तब मामला खुला। इसकी सूचना मिलने पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और बोरियों को बस से उतरवाकर कब्जे में ले लिया। दोपहर बाद खोआ मंडी के दो व्यापारी पहुंचे और इसे अपना बताते हुए 26 बोरी खोआ ले गए। पांच बोरी खोआ अभी भी खाद्य सुरक्षा विभाग के दफ्तर में रखा है। कानपुर से बस में मिलावटी खोआ आने की सूचना मिलने पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम प्राइवेट बस स्टेशन पर तलाश में लगी थी। इसी दौरान खबर मिली कि रोडवेज की बस में बड़ी मात्रा में खोआ आया है। वहां पहुंचकर सारा माल जब्त किया गया। दोपहर में खोआ मंडी के दो व्यापारी इसे अपना बताते हुए पहुंचे। नियमानुसार खोआ का सैंपल लेकर बाकी माल उन व्यापारियों को सुपुर्द कर दिया गया। अगर कोई मिलावटी मिलता है तो संबंधित के खिलाफ केस दर्ज कराया जाएगाः डॉ. सुधीर कुमार सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य

एयरफोर्स की सुरक्षा में तैनात EX लांस नायक ने खुद को मारी गोली,

गोरखपुर,संवाददाता। एजेंसी के मुताबिक, दो घंटे की ड्यूटी और चार घंटे का विश्राम देकर 24 घंटे की ड्यूटी ये सेवा निवृत्त जवान करते हैं। इसी शिफ्ट में जीतेंद्र की ड्यूटी समाप्त होने के बाद उन्होंने खुद को गोली मार ली। जीतेंद्र मूल रुप से बिहार के बताए जा रहे हैं। सुरक्षा में तैनात डीएससी (डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स) के जवान सेवानिवृत्त लांस नायक जीतेंद्र सिंह ने गुरुवार तड़के ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस रायफल (।झ–103) से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान की मौके पर ही मौत हो गई। एम्स थाना पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

घटना गुरुवार सुबह करीब चार बजे की है जब एयरपोर्ट पर ड्यूटी में तैनात डीएससी जवान जितेन्द्र सिंह (49), निवासी अंकोल गांव, मतेर, जिला छपरा (बिहार) ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज से मौके पर तैनात अन्य जवान और अधिकारी चौंक गए।

तुरंत मेडिकल टीम बुलाई गई, लेकिन तब तक जितेन्द्र की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। जितेन्द्र सिंह भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद एयरपोर्ट पर डीएससी में सुरक्षाकर्मी के रूप में सेवा दे रहे थे। वे शांत और अनुशासित स्वभाव के माने जाते थे। आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं, लेकिन पुलिस पारिवारिक या मानसिक तनाव की दिशा में जांच कर रही है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एम्स थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दे दी गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी और डीएससी के वरिष्ठ अधिकारी भी मामले की आंतरिक जांच कर रहे हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने जारी की टापरों की सूची, 73 में 51 छात्राएं

संवाददाता, गोरखपुर। 44वें दीक्षा समारोह के मंच से स्वर्ण पदक देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने टॉपरों की अनंतिम सूची न केवल तैयार कर ली है बल्कि उसे जारी भी कर दी है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट व सूचना पट्ट पर चस्पा सूची के मुताबिक समारोह के मंच से स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों के कुल 73 टापरों को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

इनमें 51 छात्राएं होगी। इनमें आठ टॉपर वह भी शामिल हैं, जिन्होंने बीते दो सत्र (2021–22 व 2023–24) में अलग–अलग पाठ्यक्रमों में टाप किया था लेकिन उन्हें बीते वर्ष हुए दीक्षा समारोह में पदक नहीं दिया जा सका था। ध्यान देने के बात यह भी है कि टॉपरों की सूची में कालेजों के मेधा भी पर्याप्त संख्या में चमक रही है। कालेजों के 22 विद्यार्थियों ने टॉपरों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। इस सूची पर विश्वविद्यालय ने आपत्ति आमंत्रित की है। आपत्तियों के निस्तारण के बाद विश्वविद्यालय अंतिम रूप से सूची का प्रकाशन करेगा। टॉपरों की सूची जारी करने के क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो विशिष्ट स्वर्णपदक विजेताओं के नाम भी घोषित किए हैं, जिन्हें दीक्षा समारोह के मंच से पदक देकर सम्मानित किया है। ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक और महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक नाम के यह विशिष्ट पदक उन विद्यार्थियों को प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सूची पर आपत्ति जताने के लिए विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को 11 अगस्त तक का समय दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसार दोपहर बाद दो बजे तक अभ्यर्थी अभिलेख कक्ष में लिखित रूप से साक्ष्यों के साथ आपत्ति का प्रत्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने यह स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि व समय के बाद आने वाली आपत्तियों का संज्ञान विश्वविद्यालय हरगिज नहीं लेगा। दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक देने के लिए टॉपरों की सूची तैयार कर ली गई है। यह अनंतिम सूची है। 11 अगस्त तक इसपर आपत्ति आमंत्रित की गई है। आपत्ति आने पर उसके निस्तारण के बाद सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन किया जाएगा। वैसे विश्वविद्यालय ने पूरी शुचिता और परदर्शिता के साथ सूची तैयार की है। ऐसे में आपत्ति आने की संभावना काफी कम है।–**प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय**

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने 44वें दीक्षा समारोह के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं की अनंतिम सूची जारी कर दी है जिसमें 73 विद्यार्थियों को पदक मिलेंगे। कालेजों के 22 विद्यार्थियों ने भी सूची में स्थान पाया है। विश्वविद्यालय ने 11 अगस्त तक आपत्तियां आमंत्रित की हैं जिसके बाद अंतिम सूची जारी की जाएगी।

गोरखपुर में साइकिल से स्कूल जा रही छात्रा को ट्रक ने रौंदा, मौत

संवाददाता, पिपरौली। गीडा थाना क्षेत्र के जैतपुर में साइकिल से स्कूल जा रही छात्रा को अनियंत्रित ट्रक ने रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। किसी तरह पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों का गुस्सा शांत कराई। गीडा थाना क्षेत्र के बेलवाडाडी निवासी गंगेश कुमार की पुत्री मुस्कान क्षेत्र के एक कॉलेज में कक्षा 9 में पढ़ती थी। प्रतिदिन की भांति शुक्रवार की सुबह सात बजे स्कूल जा रही थी।

अभी वह घर से 500 मीटर जैतपुर बोकटा मार्ग पर पहुंची थी कि पीछे से आ रहे बालू लदे ट्रक ने रौंद दिया, जिससे घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने ट्रक और चालक को कब्जे में ले लिया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

छात्रा की मौत से नाराज ग्रामीणों ने जैतपुर बोकटा मार्ग को जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचे गीडा इंस्पेक्टर अश्वनी पांडेय और चौकी इंचार्ज पिपरौली संतोष सिंह ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम को खुलवाया। ग्रामीणों का आरोप था कि टोल बचाने के लिए बड़ी गाड़ियों के आने जाने से आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं।प्रशासन को इस मार्ग पर बड़ी गाड़ियों को रोक लगानी चाहिए।

जमीन विवाद में 2 पक्षों का विवाद

चाकू- लोहे की राड से हमला, 3 महिलाएं घायल

देवरिया,संवाददाता। मंगलवार शाम को राधेश्याम शुक्ला पक्ष से रिश्ते की चाची स्नेहलता शुक्ला उम्र 45 वर्ष दरवाजे के पास गोबर फेंकने जा रही थी। आरोप है कि पुरुषोत्तम शुक्ला पक्ष के लोगों ने गोबर फेंकने से मना करते हुए उन्हें ढकेल दिया। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। विवाद में राधेश्याम शुक्ला की पत्नी राजकुमारी शुक्ला उम्र 45 वर्ष पर किसी ने चाकू से वार कर दिया। थाना क्षेत्र के चकिया शुक्ल गांव में जमीन विवाद को लेकर मंगलवार शाम चाकू और लोहे की राड से हमला कर तीन महिलाओं को घायल कर दिया गया। हालांकि एक महिला को गंभीर चोटें आई हैं। उसने चाकू से वार के दौरान हाथ उठा लिया। वरना बड़ी वारदात हो गई होती। पुलिस ने चोटिल महिलाओं समेत चार को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि मौके पर एसडीएम से लेकर अन्य राजस्व टीम जा चुकी है। इसके पहले दो बार दोनों पक्षों का शांतिभंग में चालान भी किया जा चुका है। फिर भी दोनों पक्ष विवाद पर उतारू है। खुखुंदू क्षेत्र के चकिया शुक्ल निवासी राधेश्याम शुक्ला और पुरुषोत्तम शुक्ला पक्ष से जमीन को लेकर करीब तीन सप्ताह से लगातार विवाद होता चला आ रहा है। मौके पर बरहज एसडीएम विपिन कुमार दूबे से लेकर अन्य राजस्व टीम भी जा चुकी है। लेकिन विवाद रुक नहीं रहा है। राधेश्याम शुक्ला पक्ष का कहना है कि डीह की जमीन में पड़ोसी जबरन शौचालय निर्माण कार्य करा रहे है। जबकि जमीन हमारी है। सारा कागज दिखाने के बाद भी पुलिस और राजस्व विभाग सहयोग नहीं कर रहा है। घर पर कोई पुरुष वर्ग नही होने से हमलोगों को आएदिन मारा-पीटा जा रहा है। इतना ही नहीं आरोपी पक्ष रात में चोरी-चुपके शौचालय का निर्माण कार्य करा रहे हैं। मंगलवार शाम को राधेश्याम शुक्ला पक्ष से रिश्ते की चाची स्नेहलता शुक्ला उम्र 45 वर्ष दरवाजे के पास गोबर फेंकने जा रही थी। आरोप है कि पुरुषोत्तम शुक्ला पक्ष के लोगों ने गोबर फेंकने से मना करते हुए उन्हें ढकेल दिया।

इसके बाद विवाद शुरू हो गया। विवाद में राधेश्याम शुक्ला की पत्नी राजकुमारी शुक्ला उम्र 45 वर्ष पर किसी ने चाकू से वार कर दिया, जिससे उनके दाहिने हाथ में चाकू लगने से वह जमीन पर गिर पड़ी। फिर हमलावरों ने उनके सिर पर लोहे की राड से प्रहार कर दिया। बीच बचाव करने पर हमलावरों ने उनकी सास अमरावती शुक्ला उम्र 70 और स्नेहलता शुक्ला को भी मारपीट कर घायल कर दिया। राजकुमारी शुक्ला का आरोप है कि पिटाई के बाद पुलिस इलाज कराने की बजाय हमलोगों को उठाकर थाने लेकर चली आई है। उधर, पुलिस ने राजकुमारी शुक्ला समेत तीनों घायलों और पुरुषोत्तम शुक्ला पक्ष से नेहा शुक्ला उम्र 26 को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रभारी थानेदार सुरेन्द्र मिश्रा ने बताया कि डीह की जमीन को लेकर दोनों पक्ष आएदिन विवाद कर रहा है।

राप्ती पौने दो मीटर रोहिन दो मीटर चढ़ी

सरयू लाल निशान के पार- कई गांवों पर बढ़ा का खतरा

गोरखपुर,संवाददाता। राप्ती रविवार तक खतरे के निशान से पांच मीटर नीचे थी। नदी में करीब 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद उसके जलस्तर में बीते 24 घंटे में 1.81 मीटर की बढ़ोतरी हो गई है। अभी और पानी बढ़ने की आशंका है। राप्ती की सहायक रोहिन नदी में भी नेपाल से पानी सीधे आता है। नेपाल में तेज बारिश का असर अब गोरखपुर-बस्ती मंडल में बहने वाली नदियों के जलस्तर पर दिखने लगा है। सरयू नदी अयोध्या में खतरे के निशान को पार कर गई है। बीते 24 घंटे में राप्ती का जलस्तर 1.81 मीटर बढ़ा है। रोहिन नदी के जलस्तर में भी 2.62 मीटर की वृद्धि हुई है। सरयू और राप्ती का जलस्तर बढ़ने से गोरखपुर के बड़हलगंज और बरहज के कई गांवों पर खतरा मंडराने लगा है। तक नदियों के जलस्तर में और वृद्धि का अनुमान है। इससे निचले इलाकों में मुश्किलें और बढ़ेंगी।

सरयू, राप्ती और रोहिन नदी नेपाल से निकलकर पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से होते हुए आती हैं। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास कुमार सिंह के मुताबिक, नेपाल से निकलने वाली सरयू अैर राप्ती के पानी को रोकने के लिए नेपाल में कोई प्रबंध नही है। सरयू के पानी को रोकने के लिए बहराइच में बैराज बनाया गया है।

राप्ती के पानी को रोकने के लिए श्रावस्ती में बैराज बना है। नेपाल में लगातार बारिश के बाद सरयू और राप्ती का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। राप्ती रविवार तक खतरे के निशान से पांच मीटर नीचे थी। नदी में करीब 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद उसके जलस्तर में बीते 24 घंटे में 1.81 मीटर की बढ़ोतरी हो गई है। अभी और पानी बढ़ने की आशंका है। राप्ती की सहायक रोहिन नदी में भी नेपाल से पानी सीधे आता है। इस नदी का जलस्तर ढाई मीटर से अधिक बढ़ा है। डोमिनगढ़ के पास यह नदी राप्ती में मिलती है। इस वजह से राप्ती का जलस्तर और तेजी से बढ़ेगा। उधर, सरयू नदी का जलस्तर अयोध्या में लाल निशान को पार कर गया है। बड़हलगंज के पास इसमें राप्ती नदी भी मिलती है। इसका असर बड़हलगंज इलाके में दिखेगा।

इसका नतीजा यह रहा कि गंगा का जलस्तर शाम पांच बजे के करीब 86 मीटर से नीचे चला गया। राहत की बात यह भी रही कि गंगा व यमुना का जल तेजी से निकल रहा है। इसका नतीजा रहा कि छतनाग में जलस्तर में प्रतिघंटे तीन सेमी की गिरावट दर्ज की गई। दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट को लेकर सिंचाई विभाग के अफसरों के संकेत सकारात्मक हैं। अधिशासी अभियंता दिग्विजय सिंह का कहना है कि फिलहाल दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है।

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन खतरा बरकरार है। फाफामऊ में शाम तक गंगा खतरे के निशान (84.738 मीटर) से ऊपर 85.99 मीटर पर रहीं। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 85.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया। गंगा और यमुना का जलस्तर भले ही कम होने लगा है लेकिन खतरा बरकरार है। साथ ही बाढ़ की चपेट में आई करीब पांच लाख की आबादी की दुश्वारियां बढ़ती जा रही हैं। हालात यह है कि लोगों के सामने भोजन-पानी का संकट खड़ा होने लगा है।

वहीं, राहत शिविरों में शरणार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। मंडलायुक्त व डीएम ने मंगलवार को व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियां परखीं।

यमुना के जलस्तर में गिरावट सोमवार शाम से ही शुरू हो गई थी जो मंगलवार को भी जारी रही। सिंचाई विभाग को मंगलवार की शाम की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में गिरावट प्रति घंटे 075 सेमी दर्ज की गई है। वहीं, फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में भी प्रति घंटे एक सेमी की गिरावट दर्ज की गई।

गंगा-यमुना में बाढ़ की स्थिति (6 अगस्त सुबह 8 बजे तक)

खतरे का निशान 84.734 है।

यमुना का जलस्तर 85.31 रिकॉर्ड किया गया। करीब एक मीटर पानी कम हुआ है।

गंगा का जलस्तर 85.74 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया। जलस्तर करीब आधा मीटर पानी कम हुआ है।

अब खाने-पीने के भी लाले

बाढ़ की अवधि बढ़ने के साथ इसमें फंसे लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही है। बाढ़ पीड़ितों के बीमार पड़ने की शिकायतें बढ़ने के साथ ही भोजन-पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। प्रशासन की ओर से मंगलवार को अलग-अलग क्षेत्रों में भोजन के पैकेट और राहत सामग्री वितरित कराई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। सलोरी के रमेश पुरोहित, छोटा बघाड़ा में फंसे दुर्गेश कुशवाहा, म्योराबाद की रंगीता आदि बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हैं।

लेदर के साथ ही अब नान लेदर फुटवियर का गढ़ बनेगा यूपी

लखनऊ,संवाददाता। यूपी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति–2025 को मंजूरी दे दी है। इस क्षेत्र को प्रोत्साहन देने से लेदर सेक्टर में 22 लाख से अधिक रोजगार पैदा होंगे। उत्तर प्रदेश अब लेदर के साथ नॉन लेदर उत्पादों का भी गढ़ बनेगा। इस क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए बनाई गई उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति–2025 को कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी। इस नीति के लागू होने के साथ ही लेदर सेक्टर में 22 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित हो गए हैं। वर्तमान में ये सेक्टर 15 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहा है।

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि भारत लेदर सेक्टर में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक सक्रिय टेनरियां कार्यरत हैं, जबकि आगरा को देश की 'फुटवियर राजधानी' के रूप में जाना जाता है।

इससे न केवल लेदर और नॉन–लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों को भी विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। इससे एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम तैयार किया जाएगा।

न्यूनतम निवेश पर ही लाभ

– एकल इकाई लगाने पर न्यूनतम निवेश 50 से 150 करोड़

– फुटवियर व लेदर मशीनरी निर्माण इकाई के लिए 50 से 150 करोड़

– मेगा एंकर यूनिट के लिए 150 करोड़

– क्लस्टर लगाने के लिए 200 करोड़

– कंपोनेंट की इकाई लगाने के लिए 150 करोड़

अगले पांच साल में 8 अरब डॉलर का होगा निर्यात

वर्ष 2023–24 में भारत से फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र का कुल निर्यात 4.7 अरब डॉलर था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी, यूके, इटली, फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड्स शामिल हैं। अगले चार वर्ष में ये निर्यात 8 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यूपी देश के सबसे महत्वपूर्ण फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर केंद्रों में से एक है। यहां लेदर इंडस्ट्री का बाजार लगभग 350 करोड़ डालर है।

मिलेगी आकर्षक सब्सिडी

– एकल इकाई और फुटवियर मशीनरी इकाई लगाने पर जमीन पर सब्सिडी पश्चिमांचल में 25 फीसदी और अन्य क्षेत्रों में 35 फीसदी

– क्लस्टर व मेगा एंकर इकाई पश्चिमांचल में लगाने पर जमीन पर 75 और अन्य क्षेत्रों में 80 फीसदी

स्टांप ड्यूटी पर 100 फीसदी छूट

– पांच वर्ष तक ईपीएफ की प्रतिपूर्ति

– लेदर व फुटवियर के तकनीकी कोर्स पर 30 फीसदी सब्सिडी

– विद्युत शुल्क पर 5 वर्ष तक 2 रुपये यूनिट की सब्सिडी, अधिकतम 60 लाख

– ट्रांसपोर्ट व लॉजिस्टिक्स पर 75 फीसदी सब्सिडी, अधिकतम 10 करोड़

– शोध व विकास की मद में पेटेंट, कॉपीराइट आदि पर 1 करोड़ रुपये

स्कूल में छात्रा का बाथरूम तक पीछा करता था शिक्षक

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के एक प्रतिष्ठित स्कूल में एक शिक्षक छात्रा से छेड़छाड़ करता था। आरोप है कि शिक्षक मोहित मिश्र छात्रा के बाथरूम जाने पर उसका पीछा करता था और बाथरूम के अंदर जाकर उसके शरीर को छूता था। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में एक प्रतिष्ठित स्कूल के गणित के शिक्षक मोहित मिश्र पर कक्षा–7 की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप है। साथ ही यह भी आरोप है कि छात्रा पर कुछ शिक्षकों ने शिकायत न करने का दबाव भी बनाया था। बृहस्पतिवार को छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक व अन्य अज्ञात के खिलाफ छेड़छाड़, धमकाने व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। साथ ही आरोपी शिक्षक मोहित को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि सआदतगंज निवासी 13 वर्षीय छात्रा ठाकुरगंज मंजू टंडन ढाल स्थित सेंट जोसेफ स्कूल (बजाज ग्रुप) में पढ़ती है। बृहस्पतिवार को छात्रा के पिता छुट्टी के वक्त उसे स्कूल लेने पहुंचे।

गोरखपुर में तेंदुआ है या नहीं

वन विभाग पिटवाएगा डुगडुगी, दिन–रात गश्त कर रही छह टीमें

मोहनापुर में तेंदुए की दहशत बरकरार , वन विभाग की टीम कर रही गश्त , झाड़ियों की सफाई जारी, भय व्याप्त

,संवाददाता, गोरखपुर। मोहनापुर में तेंदुआ है या नहीं इसका पता नहीं चल रहा है। 28 जुलाई के बाद से उसे देखा भी नहीं गया। यादव टोला की गीता यादव हमले के बाद से वन विभाग की टीम दिन रात गश्त कर रही है। 30 जुलाई को संजय यादव के गेट के सामने देखने का दावा किया गया। लेकिन, उसकी पुष्टि नहीं हो सकी। 11 दिन बीत जाने के बाद अब वन विभाग ढुगढुगी पिटवाएगा। शुक्रवार को इसके साथ पूरे मोहनापुर में टीम घूमेगी। इसके बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

फूल तोड़ते समय सुबह पांच बजे गीता यादव पर वन्यजीव ने हमला किया था। उनके चेहरे पर पंजे के घाव थे। हालांकि घर वाले यही जान रहे थे कि कुत्ते ने हमला किया है। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने बताया कि यह घाव कुत्ते के पंजे का नहीं है। इसी दौरान गीता के बेटे के मोबाइल पर एक तेंदुए का वीडियो आया। जिसमें बताया गया कि मोहनापुर में स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल के पास 28 जुलाई की भोर में 3.59 पर तेंदुआ है। सूचना पर पहुंची वन विभाग और शाहपुर थाना पुलिस ने उस मार्ग पर बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर लगे सीसी कैमरे से उसकी पुष्टि की। तभी से स्थानिय लोगों में तेंदुए का दहशत है

> **गोरखपुर के मोहनापुर में तेंदुए की दहशत बरकरार है। 28 जुलाई के बाद से तेंदुआ नहीं दिखा है लेकिन वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए की पुष्टि होने के बाद से लोग डरे हुए हैं। वन विभाग पगमार्क ढूंढ रहा है और नगर निगम झाड़ियाँ साफ कर रहा है फिर भी लोगों में भय व्याप्त है।**

मोहनापुर में आते हुए सभी उसे देखा, लेकिन उसके चले जाने या होने के बारे में किसी को जानकारी नहीं है, होने की आशंका में वन विभाग की टीम गश्त कर रही है। यहां के लोग शाम होते ही घरों में चले जा रहे है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं घर के अंदर है। बच्चों को स्कूल छोड़ने और छुट्टी के समय लेने के लिए अभिभावक खुद जा रहे है। स्कूल के चारों तरफ खाली प्लाट के आसपास सीसी कैमरे भी लगाए गए है।

सुबह से शाम तक देख रहे पदचिन्ह

गश्त में लगी वन विभाग की टीम सुबह से शाम तक वन्यजीव के पदचिन्ह देख रही है। लेकिन, पहले दिन के अलावा उन्हें अब तक तेंदुए के पैरों के निशान नहीं मिले।

इस बीच चार वीडियों भी इंटरनेट पर प्रसारित हुए। जो मोहनापुर और हनुमंत नगर के चार घरों में लगे सीसी कैमरे के फुटेज थे।

सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच की तो वह फिशिंग कैट निकला। हालांकि लोग तेंदुए का ही दावा कर रहे है।

नगर निगम की टीम साफ कर रही झाड़ी

मोहनापुर में तेंदुए के होने की आशंका के बीच गुरुवार को नगर निगम की टीम पहुंची।

खाली प्लाट में उगी झाड़ियों को टीम ने साफ किया। पार्षद रामगति निषाद ने बताया कि एक सप्ताह तक टीम अभियान चलाकर झाड़ियों को साफ करेगी।

उधर, स्थानीय लोगों में श्यामसुंदर, योगेंद्र यादव, रमाकांत, रामसकल, विनोद, रामदुलारे, रमेश समेत अन्य ने कहा कि 11 दिन बीत गए, लेकिन तेंदुआ पकड़ा नहीं गया। न ही उसके जाने का कोई फुटेज है। इसलिए उनके मन में भय बना है कि तेंदुआ कहीं छिपा हो और बाहर निकलने पर कहीं हमला न कर दें।

सीतापुर एनकाउंटर : शूटरों की तलाश में कांवड़ियों के वेश में घूमी एसओजी टीम, नोएडा से दोनों आए थे हरदोई

लखनऊ,संवाददाता। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी के हत्यारों तक पहुंचने के लिए एसओजी व एसटीएफ की टीमों ने पांच महीने तक शूटरों का पीछा किया। दोनों शूटर नोएडा से हरदोई आए थे। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की आठ मार्च को हुई हत्या के मामले में आखिरकार पुलिस को सफलता मिल गई। जेल भेजे गए तीन आरोपियों से पूछताछ में दो शूटरों के नाम सामने आए थे।

करीब पांच माह की मेहनत के बाद एसओजी व एसटीएफ शूटरों का मूवमेंट ट्रैक कर सके।

एसओजी टीम सावन में कांवड़ियों के वेश में घूमी। इसी टीम ने बृहस्पतिवार भोर करीब 4:30 बजे दोनों के हरदोई से पिसावां की ओर मूवमेंट की जानकारी दी। पुलिस टीमों ने घेराबंदी की और मुठभेड़ में शूटरों को ढेर कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार 8 मार्च को वारदात के बाद से ही एसओजी की स्वॉट, सर्विलांस और नारकोटिक्स टीमें शूटरों की तलाश में जुट गईं। शूटरों के नोएडा के एक इलाके में होने की जानकारी मिली थी।

हत्याकांड से '8' अंक का खास नाता

राघवेंद्र की हत्या में आठ अंक का अजब संयोग है।

आठ मार्च को उनकी हत्या हुई। राघवेंद्र की हत्या से लेकर शूटरों के एनकाउंटर तक आठ ही गोलियों का इस्तेमाल हुआ। चार गोलियां राघवेंद्र को लगीं और चार ही गोलियां में दोनों शूटर भी ढेर हो गए। राघवेंद्र की बाइक का नंबर भी 8005 है। आठवें महीने में पुलिस ने आरोपियों को मार गिराया। आठ अगस्त को ही शूटरों का अंतिम संस्कार होगा।

नाजिमा से शादी कर कृष्ण गोपाल तिवारी बन गए थे करीम खान

अटवा निवासी 95 वर्षीय रामप्रसाद शुक्ला ने बताया कि शूटरों के पिता कृष्ण गोपाल तिवारी को नाजिमा से प्रेम हो गया था। नाजिमा के प्यार में पड़ कर उन्होंने अपना नाम करीम खान रख लिया था। कृष्ण गोपाल ने नाजिमा से विवाह नहीं किया था।

बस दोनों साथ रहते थे। दोनों से तीन पुत्र संजय, राजू व राहुल हुए। पुत्री की मौत हो गई थी।

टीम को मिलेगा सवा लाख का इनाम

एसपी सीतापुर अंकुर अग्रवाल का कहना है कि एसओजी व एसटीएफ की संयुक्त टीम को अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन की ओर से 50 हजार रुपये, आईजी रेंज की ओर से 25 हजार रुपये व मेरी ओर से 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

सभी को सम्मानित किया जाएगा। राघवेंद्र हत्याकांड में यह दोनों शूटर पुलिस के लिए चुनौती थे। यह पुलिस टीम के लिए बड़ी कामयाबी है।

गोरखपुर में बहन के नाम पर भावुक हुए आकाशदीप, बोले– हमेशा बढ़ाया हौसला

आकाशदीप ने एजबेस्टन जीत बहन को समर्पित की , रोहित शर्मा और विराट मेरे आदर्श आकाशदीप , गेंदबाजी देख दूर करता हूं कमियां मुकेश

गोरखपुर,संवाददाता। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज व एजबेस्टन टेस्ट मैच के हीरो आकाशदीप ने एजबेस्टन की जीत कैंसर से जूझ रही अपनी बड़ी बहन को समर्पित किया था। उस क्षण को याद कर गुरुवार को एक बार फिर आकाशदीप भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जिस मैदान पर भारत ने एक भी टेस्ट नहीं जीता है वहां जीतना टीम के साथ–साथ मेरे लिए बड़ी उपलब्धि थी। मैं अपनी बड़ी बहन के चेहरे पर खुशी देखना चाहता हूं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में मेरा हौसला बढ़ाया और हमेशा बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। इसलिए मैंने यह जीत उन्हें समर्पित कर दिया। वह भारतीय क्रिकेटर व दाएं हाथ के मध्यम–तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के साथ दाउदपुर में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान जागरण से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने टीम के दो दिग्गज खिलाड़ियों पूर्व कप्तान रोहित शर्मा व विराट कोहली को अपना आदर्श बताते हुए कहा कि आज वह दोनों जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचना हर खिलाड़ी का सपना होता है। टीम में रहते हुए मैंने उनसे काफी कुछ सीखा। एक खिलाड़ी के लिए अनुशासन व समयबद्धता काफी मायने रखता है, यह हमने उन्हीं से सीखा। आज टीम में उनकी कमी हर भारतीय को खल रही है। रोहित व विराट की कप्तानी व शुभमन गिल की कप्तानी में कितना अंतर पाते हैं, इस सवाल पर आकाशदीप ने कहा कि हर कप्तान को अपनी टीम को मैनेज करने व प्रतिद्वंदी टीम के विरुद्ध रणनीति अपनाने का अलग तरीका होता है। गिल एक प्रतिभावान खिलाड़ी हैं और उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी बतौर कप्तान अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलाई, जो युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।

सासाराम से टीम इंडिया तक का सफर

बिहार के देहरी, सासाराम के रहने वाले भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज आकाशदीप का टीम इंडिया तक का सफर संघर्षों से भरा रहा है। बचपन से ही क्रिकेट में अपना करिअर बनाने का सपना संजोने वाले आकाशदीप को काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा। आकाशदीप बताते हैं कि बचपन में उनके पास कोई ऐसा मंच नहीं था, जिसकी बदौलत वह अपने खेल में निखार लाएं। एक समय ऐसा आया जब पड़ोसियों तक ने भी अपने बच्चों को आकाश से दूर रहने की सलाह दी थी, ताकि उनके बच्चे पढ़ाई छोड़ क्रिकेट की राह पर न चले जाएं। 2019 में बंगाल के लिए टी–20 से डेब्यू करने वाले आकाशदीप बताते हैं कि हर पिता की तरह उनके पिता भी चाहते थे कि बेटा सरकारी नौकरी करे, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था। मैं अक्सर छिप–छिपकर क्रिकेट खेला करता था। बाद में घर चलाने के लिए क्रिकेट ही हमारा सहारा बना।

खुद की गेंदबाजी देख दूर करता हूं कमियां

भारतीय टीम के मध्यम–तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने बातचीत के दौरान कहा कि मैं आज खेल के बाद अपनी गेंदबाजी देखता हूं और कमियों को दूर करने का प्रयास करता हूं। तेज गेंदबाज मो.शमी से तुलना करने पर वे कहते हैं कि उनके जैसा बनना मेरे गर्व की बात होगी। उनसे मैंने गेंदबाजी में काफी कुछ सीखा है। आज यदि मेरी गेंदबाजी में धार देखने को मिलती है तो उसमें मेरा परिश्रम उनके सुझाव का बड़ा योगदान है। वे कहते हैं कि मैं और आकाश खुद को लकी मानते हैं कि हमें विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेलने का मौका मिला। उनकी मेहनत, तैयारी और मैच के प्रति पैशन हमारे अंदर नई ऊर्जा का संचार करता है। जब हम दोनों इंडिया के लिए खेलते हैं तो एकजुट होकर प्रतिद्वंदी टीमों को हराने के लिए गेंदबाजी करते हैं।

धराली मलबे में दफन है। आसपास न सड़क बची, न बाजार। जहां नजर उठाओ, सिर्फ 20 फीट का मलबा और दिल चीरने वाला सन्नाटा है। धराली में तबाही के निशान....सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और बाकी टीमें बिना रुके, बिना थके जी–जान से रेस्क्यू में लगी है, ताकि धराली में फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जा सकें.वहीं, बाकी टीमें जो मदद के लिए पहुंच रही है वो भूस्खलन की वजह से रास्ते में फंसी है क्योंकि भटवाड़ी में उत्तरकाशी–हर्सिल का रास्ता पूरा का पूरा बह चुका है।

राहुल गांधी ने लगाए हैं चुनाव में वोट चोरी के आरोप

शशि थरूर ने कहा कि इस बात का चुनाव आयोग को लेना चाहिए संज्ञान

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को एक पीसी को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में कर्नाटक की एक विधानसभा क्षेत्र में फर्जी वोटिंग होने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, राहुल गांधी ने कथित तौर पर कुछ सबूत भी दिखाए। दरअसल, राहुल गांधी ने दावा किया कि वोटर लिस्ट में कहीं हाउस नंबर 0 दर्ज है तो कहीं पिता का नाम ही फर्जी है। राहुल गांधी के इन दावों पर चुनाव आयोग ने एक पत्र लिखा और उनसे शपथ पत्र के साथ पर हस्ताक्षर के साथ ये सबूत मांगे। अब राहुल गांधी को इस मामले में शशि थरूर का साथ मिल गया है।

राहुल गांधी को मिला शशि थरूर का साथ

राहुल गांधी के चुनाव में वोटों की धांधली के आरोपों पर शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। शशि थरूर ने कहा कि ये गंभीर प्रश्न हैं जिनका सभी दलों और सभी मतदाताओं के हित में गंभीरता से समाधान किया जाना चाहिए। हमारा लोकतंत्र इतना मूल्यवान है कि इसकी विश्वसनीयता को अक्षमता, लापरवाही या उससे भी बदतर, जानबूझकर छेड़छाड़ से नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस संबंध में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही देश को इस बारे में हमेशा सूचित करते रहना चाहिए।

राहुल गांधी ने 2024 लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में फजह्न वोलटग का आरोप लगाया। उन्होंने वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के सबूत दिखाने का दावा किया जिस पर चुनाव आयोग ने उनसे शपथ पत्र के साथ सबूत मांगे हैं। इस मुद्दे पर शशि थरूर ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई करने और देश को सूचित रखने का आग्रह किया है।

'लोकतंत्र और संविधान को बचाने का समय आ गया'

इधर, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राहुल गांधी के मतदान में धोखाधड़ी के आरोपों का समर्थन किया। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान के साथ–साथ देश को बचाने का समय आ गया है। इतना ही नहीं खरगे ने दावा किया पहले चुनाव आयोग की दुनिया भर में सराहना होती थी। विभिन्न देश चुनाव आयोग से निष्पक्ष चुनाव कराने का प्रशिक्षण लेते थे। लेकिन, अब यह सत्तारूढ़ दल के प्रतिनिधि की तरह व्यवहार करता है।

आधी रात विवाहिता से मिलने पहुंचा प्रेमी...

पति ने देख ली ऐसी हरकत, फिर सुबह जो हुआ लोग नहीं कर पा रहे यकीन

संवाददाता,शाहजहाँपुर।दोनों की चोरी–चुपके से मुलाकात भी होती थी। बुधवार की रात युवक अपनी विवाहिता प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर चुपके से आया था। तभी लोगों के जागे होने पर युवक भाग निकला। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के निगोही के एक गांव में युवक अपनी विवाहित प्रेमिका के घर में आधी रात में मिलने पहुंच गया। किसी तरह से बचकर भाग गया। महिला के पति ने पत्नी से युवक को बुलवाया और पंचायत के बाद दोनों का विवाह करा दिया। युवक ने महिला की मांग भरने के बाद साथ ले गया।

मेहनत–मजदूरी करने वाले व्यक्ति की शादी करीब दस साल पहले हुई थी। दंपती के सात साल की बेटी व चार साल का बेटा भी है। महिला की उम्र करीब 30 से 32 साल होगी। विवाहिता पीलीभीत जिले के थाना बीसलपुर के एक गांव निवासी युवक के संपर्क में आ गई।

दोनों की चोरी–चुपके से मुलाकात भी होती थी। बुधवार की रात युवक अपनी विवाहिता प्रेमिका से मिलने के लिए उसके घर चुपके से आया था। तभी लोगों के जागे होने पर युवक भाग निकला। महिला के पति ने उसे भागते हुए देख लिया। सुबह होने पर पति ने अपनी पत्नी से कॉल कराकर युवक को बुलवाया। बहुत सम्मान के साथ घर में बैठाकर पत्नी के मायके वालों को सूचना देकर बुलवा लिया। करीब तीन–चार घंटे की पंचायत के बाद पति ने अपनी पत्नी को युवक के साथ भेजने का निर्णय लिया। प्रेमी ने भरी पंचायत में उसकी मांग में सिंदूर भर दिया।

महिला के मायके और ससुराल वालों की रजामंदी से शादी हुई, साथ ही निगोही थाने में लिखित सूचना दी गई है।

खीर गंगा ने वापस ले लिया अपना पुराना ठिकाना

सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर विज्ञानियों ने किया साफ

उत्तराखंड के धराली में खीर गंगा की तबाही मानव द्वारा प्रकृति को न समझने का परिणाम है। इसरो के सेटेलाइट चित्रों से पता चलता है कि मलबा खीर गंगा के मूल जलग्राही क्षेत्र में जमा हो गया। भूविज्ञानी प्रो. बिष्ट ने निर्माण पर रोक लगाने की चेतावनी दी है। कार्टोसेट–3 उपग्रह की छवियों का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जा सकता है।

यह है कारटोसेट–3

कारटोसेट–3 उच्च क्षमता का उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह की विस्तृत छवियां प्रदान करता है। इसकी विशेषताएं निम्नलिखित हैं।
पैनक्रोमैटिक रेजोल्यूशनः 0.25 मीटर (या 25 सेमी), जो इसे दुनिया के उच्चतम रेजोल्यूशन वाले इमेजिंग उपग्रहों में से एक बनाता है।
मल्टीस्पेक्ट्रल रेजोल्यूशनः एक मीटर (या कुछ स्रोतों के अनुसार 1.13 मीटर), जिसमें चार स्पेक्ट्रल बैंड होते हैं।
विभिन्न अनुप्रयोगों में किया जा सकता है कारटोसेट–3 की छवियों का उपयोग
नगरीय योजनाः बड़े पैमाने पर मानचित्रण और संसाधन प्रबंधन
ग्रामीण संसाधन विकासः बुनियादी ढांचे का विकास और भूमि उपयोग योजना
आपदा प्रबंधनः प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़ और भूस्खलन का आकलन
रक्षा अनुप्रयोगः सामरिक निगरानी और सीमा सुरक्षा

संवाददाता, उत्तरकाशी। धराली की वेदना में प्रकृति को न समझने की मानव की बड़ी भूल भी नजर आती है। बेशक खीर गंगा से निकली तबाही ने मानव की बसावट को जमींदोज कर दिया, लेकिन इसमें प्रकृति का कोई दोष नहीं है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं होना सामान्य है, खीर गंगा में भी यही हुआ। असामान्य तो यह है कि हम की प्रकृति की राह में जाकर खड़े हो गए। इसरो की ओर से अब तक जारी किए गए सेटेलाइट चित्र बताते हैं कि जलप्रलय में जो मलबा आया, वह खीर गंगा के मूल कैचमेंट (जलग्राही क्षेत्र) में ही जाकर पसरा और ठहर गया। वरिष्ठ भूविज्ञानी और एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के एचओडी प्रो एमपीएस बिष्ट के अनुसार, खीर गंगा का कैचमेंट निचले क्षेत्र में 50 से 100 मीटर तक फैला है। श्रीकंठ पर्वत के ग्लेशियर से यह क्षेत्र तीव्र ढाल के साथ खीर गंगा के माध्यम से सीधे जुड़ा है।

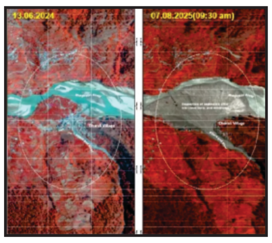

इससे स्पष्ट होता है कि निचले क्षेत्र में जो भी बसावट हुई, वह वर्तमान की भांति ही दशकों पहले आए मलबे के ऊपर की गई। अब उसी जलग्राही क्षेत्र में फिर से मलबा पसर गया है। इस तरह देखें तो नदी ने अपना पुरानी क्षेत्र वापस ले लिया है। यानी खीरगंगा अपने मूल स्वरूप में लौट गई है। कुछ ऐसी ही कहानी धराली से एक किलोमीटर आगे हर्षिल घाटी की भी है। हालांकि, वहां आबादी न होने के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रो. बिष्ट आगाह करते हैं कि अब धराली में खीर गंगा के मूल जलग्राही क्षेत्र में अब कोई निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। यह हमारे लिए नया सबक भी है कि प्रकृति कभी भी अपना क्षेत्र हमसे वापस ले सकती है। सरकार को धराली में मलबे से भरे–पूरे क्षेत्र की मैपिंग कराकर वहां निर्माण प्रतिबंधित करने होंगे। ताकि हमें फिर धराली जैसा दंश न झेलना पड़े।

इंडी गठबंधन में शामिल होंगे राज ठाकरे? शरद गुट के नेता के बयान से मची हलचल

पुणे,एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के इंडी गठबंधन में शामिल होने की संभावना को एक बार फिर बल मिल रहा है। शरद पवार गुट के नेता और पुणे के पूर्व महापौर प्रशांत जगताप ने अपने बयान से इसके संकेत दे दिए हैं। जगताप ने कहा कि अगर राज ठाकरे गठबंधन में शामिल होने का फैसला करते हैं, तो उनका दिल से स्वागत किया जाएगा।

प्रशांत जगताप ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, 'अगर राज ठाकरे इंडी गठबंधन में शामिल होते हैं, तो यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। सिर्फ मैं ही नहीं, गठबंधन के सभी नेता इस कदम का समर्थन करेंगे।'

आगामी चुनावों के बीच चर्चा

महाराष्ट्र में इस वक्त आगामी नगर निगम और स्थानीय निकाय के चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। विपक्ष गठबंधन को मजबूत बनाने में जुटा है। ऐसे समय में प्रशांत जगताप का ये बयान बड़े मायने रखता है। भाजपा के खिलाफ अपना आधार बढ़ाने की कोशिश में जुटे विपक्ष के लिए राज ठाकरे का साथ आना फायदे का सौदा हो सकता है।

प्रशांत जगताप ने कहा, 'उद्धव और राज ठाकरे का साथ आना महाराष्ट्र के राजनीतिक भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। वे भाई हैं और अगर वे इंडिया गठबंधन के बैनर तले मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं, तो इससे विपक्ष को बल मिलेगा और पूरे राज्य में एक कड़ा संदेश जाएगा।' हालांकि इस पूरे मसले पर अभी तक राज ठाकरे या उनकी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बता दें कि लंबे वक्त तक चली आ रही पारिवारिक कलह के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक मंच पर साथ आए थे। तब से ही मनसे के इंडी गठबंधन में शामिल होने की अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं।

हम वापस आ गए

अशनूर कौर ने जैन इमाम संग शेयर किया वीडियो

अशूनर कौर और जैन इमाम के इस डांस वीडियो पर फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक यूजर लिखती है, 'अशनूर और जैन बेस्ट हैं, आइकॉनिक पेयर हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आपकी यह रील तो किसी जादू के जैसे है।' कई लोगों ने सीरियल 'सुमन इंदौरी' को मिस करने की बात की है। कुछ महीनों पहले ही यह सीरियल ऑफ एयर हुआ।

एंटरटेनमेंट डेस्क। सीरियल 'सुमन इंदौरी' के लीड कपल सुमन और तीरथ यानी अशनूर कौर और जैन इमाम ने सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो शेयर किया, जिसे देखकर फैंन दीवाने हो गए हैं। दोनों को इस अंदाज में देखकर फैंस ने भी जमकर रिएक्शन दिए हैं। अशनूर कौर और जैन इमाम की बॉन्डिग जगजाहिर है। दोनों सीरियल 'सुमन इंदौरी' के सेट पर पर तो खूब मस्ती–मजाक के लिए जाने जाते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनका यही अंदाज देखने को मिला है। हाल ही में अशनूर कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फनी वीडियो जैन इमाम के साथ पोस्ट किया है।

शकीरा के गाने पर डांस करते दिखे अशनूर और जैन इमाम

अशनूर कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें जैन और वह डांस करते नजर आ रहे हैं। शकीरा के हिट सॉन्ग 'वाका वाका' में दोनों थिरकते नजर आ रहे हैं। डांस करते हुए भी दोनों का मस्ती भरा अंदाज नजर आ रहा है।

एक दिन में 77 मिलियन व्यूअर्स ने देखा था

टीवी की दुनिया में कौन सा किस नंबर पर और किस शो को क्या टीआरपी मिली है ये जानने के लिए फैंस बेसब्र रहते हैं. लेकिन क्या आपको पता है टीवी की दुनिया में टीआरपी रिकार्ड किस शो के नाम पर है।

रामानंद सागर की रामायण 1987 में आई थी. उस वक्त रामायण देखने के लिए सड़कों पर भीड़ लग जाती थी और जब शो री–टेलीकास्ट हुआ तो भी धमाका कर दिया।

एंटरटेनमेंट डेस्क। टीवी की दुनिया में ऐसे कई शोज हैं जिन्होंने इतिहास बदल दिए. क्योंकि सास भी कभी बहू थी, अनुपमा, कसौटी जिंदगी की, तारक मेहता का उल्टा चश्मा, ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे सीरियल ने रिकॉर्ड बना दिए. सास–बहू ड्रामा के अलावा ऐसा एक शो है जिसने टीआरपी में रिकॉर्ड बना दिया था. इस शो ने एक दिन में ही इतनी ज्यादा व्यूअरशिप हासिल की शो ग्लोबली सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया था. हम बात कर रहे रामायण की।

ऐश्वर्या राय बनीं बालीवुड की दूसरी सबसे अमीर एक्ट्रेस,सुन उड़ जाएंगे होश

मुम्बई,एजेंसी। ऐश्वर्या राय बच्चन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं. सिर्फ इंडिया ही नहीं बल्कि दुनियाभर में ऐश्वर्या राय के लोग दीवाने हैं. अपने सक्सेसफुल एक्टिंग करियर की वजह से ऐश्वर्या एक लैविश लाइफ जीती हैं. उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अलग पहचान बनाई है. ऐश्वर्या लंबे समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं लेकिन उनकी नेटवर्थ बहुत ही तगड़ी है. जिसे सुनकर किसी के भी होश उड़ जाएंगे. नेटवर्थ के मामले में ऐश्वर्या राय ने कई एक्ट्रेसस को पीछे छोड़ दिया है. वो बॉलीवुड की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं. न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक ऐश्वर्या एक फिल्म के 10 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. साथ ही किसी ब्रांड को एंडोर्स करने के लिए वो 6–7 करोड़ चार्ज करती हैं।

टीवी से की अपने करियर की शुरुआत

अवनीत कौर–

अवनीत कौर ने 9 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत डांस रियलिटी शो 'डांस इंडिया डांस' से की थी. जिसके बाद उनको चाइल्ड शो 'अलादीन' के लिए चुना गया था. अवनीत कौर ने कई टीवी शोज किए और सफलता की सीढ़ियां चढ़ती गईं. अवनीत ने साल 2014 में फिल्म 'मरदानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था जिसके बाद वो कई मूवीज में नजर आ चुकी हैं।

टेलीविजन शोज से कई एक्ट्रेस ने कम उम्र मे ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी. जो बड़े–बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं, तो वहीं बहुत से चाइल्ड एक्टर्स रोजाना करोड़ों की कमाई कर रहे हैं. आइए जानते हैं कौन इसके बारे में।

जन्नत जुबैर सोशल मीडिया पर यंग फैंस के बीच काफी पापुलर हैं वो आए दिन गुगल पर ट्रेंड कर रही होती हैं. जन्नत जुबैर ने महज 8 साल की उम्र में शो 'दिल मिल गए' से चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी. जिसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज किए मगर सीरियल 'फुलवा' से वो घर–घर में फेमस हो गई थी।

जन्नत जुबैर–

मुम्बई,एजेंसी। टीवी एक ऐसा मीडियम है जिसे बड़ी और छोटी दोनों तरह की ऑडियंस देखना पसंद करती है. वहीं गांव और छोटे शहरों में एंटरटेनमेंट का सोर्स टीवी है. टीवी पर लोग आज भी नए–नए शोज को देखना पसंद करते हैं. वहीं टीवी के शोज में काम करने वाले एक्टर्स को वो अपनी निजी जिंदगी का हिस्सा बना लेते हैं. इसलिए आज हम उन कलाकारों के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने चाइल्ड एक्टर के रूप में अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और आज वो करोड़ों छाप रहे हैं।

रीम शेख

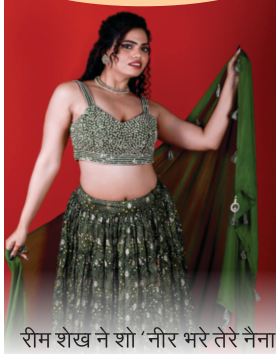

रीम शेख ने शो 'नीर भरे तेरे नैना देवी' से डेब्यू किया था जिसमें वो लीड चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में नजर आई थी. रीम शेख अपनी वर्सेटाइल एलक्टग के लिए फेमस हैं उन्होंने 'तुझसे है राबता', 'फन्ना' और 'इश्क में मर जावां' जैसे शोज से काफी पापुलैरिटी हासिल की है।

सैयारा की रिलीज के बाद अनीत पड्डा का जागा प्यार

एंटरटेनमेंट डेस्क। सैयारा से मशहूर हुई एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक लव पोस्ट शेयर किया है। अनीत की इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस ने जमकर कमेंट किए हैं। फिल्म 'सैयारा' से रातोंरात प्रसिद्ध हुई एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक लव पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अनीत का प्यार साफ झलक रहा है। अनीत की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनीत ने आज इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अनीत ने एक लव पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ अनीत ने कैप्शन में लिखा, 'मैं अब बेहतर महसूस कर रही हूं और बस यही कहना चाहती हूं कि मैं तुमसे प्यार करती हूं। मैं तुम्हें नहीं जानती, लेकिन मेरा दिल कहता है कि मैं तुमसे प्यार करती हूं।

अनीत ने किया प्यार का इजहार

आगे अनीत ने इस पोस्ट में लिखा, 'तुमने मुझे इतना प्यार दिया है कि वह मेरे दिल में भारी–सा लगता है। मैं समझ नहीं पा रही कि इसे कैसे लौटाऊं। मुझे डर है कि आगे क्या होगा, डर है कि मैं काफी नहीं रहूंगी। लेकिन मेरे पास जो कुछ भी है, चाहे वह छोटा–सा हिस्सा ही क्यों न हो, मैं उसे तुम्हारे सामने रख दूंगी। अगर यह तुम्हें हंसाए, रुलाए, या कुछ भूला हुआ याद दिलाए, अगर यह तुम्हें थोड़ा कम अकेला महसूस कराए, तो शायद मेरा होना सार्थक है। मैं कोशिश करती रहूंगी, भले ही अधूरी हूं, पर अपने पूरे दिल से। क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

अनीत के इस प्यारे पोस्ट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

वहीं टीवी एक्ट्रेस कनीका मान ने लिखा, 'मैं एक प्रशंसक हूं', अहान पांडे की मां डीन पांडे ने लिखा, 'यह मेरे लिए खत्म नहीं हो रहा है.. हमेशा मेरे दिल में रहेगा अनीत..लव यू', एक फैन ने लिखा, 'कितना प्यारा', एक और फैन ने लिखा, 'आप तो बस परफेक्ट से भी कहीं बढ़कर हैं', वहीं अनीत के कई फैंस ने लाल दिल वाले और फायर इमोजी बरसाए हैं।

अनीत के बारे में

अनीत पड्डा ने फिल्म "सलाम वेंकी" से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में मुख्य भूमिका निभाई। बहरहाल, अब वह मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' से बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई हैं। इस फिल्म में अनीत के साथ अहान पांडे हैं। इस फिल्म में अनीत और अहान की जबरदस्त केमेस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है।

इन हसीनाओं संग जुड़ चुका मोहम्मद सिराज का नाम

आशा भोसले की पोती संग फिर उड़ीं अफवाहें

एंटरटेनमेंट डेस्क। भारत के स्टार गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में कमाल की गेंदबाजी की।

सिराज की परफॉर्मेंस पर जनाई भोसले ने कई पोस्ट करके क्रिकेटर को शानदार बताया। हालांकि दोनों के चर्चे शुरू हो गए। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खेल के मैदान पर जितना नाम कमाया है, उतनी ही चर्चा उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी होती रही है। सिराज के बेहतरीन यॉर्कर और स्विंग गेंदों ने जहां बल्लेबाजों को परेशान किया है, वहीं सोशल मीडिया पर उनकी प्रेम कहानियों की अफवाहों ने भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

हालांकि सिराज ने कभी खुलकर अपने रिलेशनशिप की पुष्टि नहीं की, फिर भी दो नाम ऐसे रहे हैं जो बार–बार उनके साथ जोड़े जाते रहे हैं।

जनाई भोसले

मशहूर गायिका आशा भोसले की पोती जनाई भोसले का नाम पिछले काफी समय से सिराज के साथ उछाला गया।

इंग्लैंड के खिलाफ सिराज की शानदार गेंदबाजी के बाद जनाई ने इंस्टाग्राम पर उनकी तारीफ में कई स्टोरीज पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने सिराज को 'स्टार' और 'चैंपियन' कहा।

इस पर फैंस ने एक बार फिर तेजी से कयास लगाने शुरू कर दिए कि दोनों के बीच कुछ खास चल रहा है। हालांकि जनाई और सिराज दोनों एक दूसरे को भाई और बहन मानते हैं। इस बात का एक और उदाहरण मिल गया जब जनाई ने मोहम्मद सिराज को अपने पोस्ट में भाई कहकर संबोधित किया।

'हम हमेशा साथ रहेंगे...', आईपीएल से संन्यास की चर्चाओं के बीच धोनी ने सीएसके के लिए लुटाया प्यार

स्पोर्ट्स डेस्क। धोनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल से संन्यास को लेकर चर्चाओं का बाजार हमेशा गर्म रहता है। लेकिन धोनी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी नजदीकियां इस फ्रेंचाइजी के साथ काफी गहरी हैं। धोनी ने आईपीएल के अगले सीजन में खेलने को लेकर अभी रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान फैंस को आश्वस्त किया कि उनके खेल करियर में आगे चाहे जो भी हो, उनका दिल हमेशा सीएसके के लिए धड़कता रहेगा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

'धोनी के बिना कोई सीएसके नहीं है' यह वाक्यांश अक्सर प्रशंसकों के बीच सुना जाता है और धोनी खुद भी इस भावना को दोहराते हुए प्रतीत होते हैं। 44 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि सीएसके फ्रेंचाइजी के साथ उनका संबंध एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में उनके समय से परे भी बना रहेगा। कुछ दिनों पहले धोनी ने चेन्नई में आयोजित एक निजी कार्यक्रम

को संबोधित किया था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धोनी ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मेरे पास निर्णय लेने के लिए बहुत समय है, लेकिन यदि आप पीली जर्सी में वापसी के बारे में पूछ रहे हैं तो मैं कहूंगा कि मैं हमेशा पीली जर्सी में ही रहूंगा, चाहे मैं खेलूं या नहीं, यह अलग बात है। मैं और सीएसके हम साथ हैं। आपको पता है, अगले 15–20 साल तक भी ऐसा रहेगा।

शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं धोनी

धोनी 2008 में आईपीएल के शुरुआत से ही सीएसके का हिस्सा हैं। धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी है, लेकिन आईपीएल 2025 में नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर होने की वजह से धोनी ने कमान संभाली थी। हालांकि, पांच बार की चैंपियन सीएसके के लिए आईपीएल का पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा था और टीम 14 में से सिर्फ चार मैच ही जीत सकी थी।

सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी जो उसका टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन में से एक है। लेकिन धोनी की उपस्थिति से सीएसके के ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनी रही और फैंस का भी टीम को जोरदार समर्थन मिलता रहा। धोनी के आईपीएल से संन्यास की चर्चा पिछले कुछ सीजन से लगातार चलती रही है।

कई क्रिकेट पंडितों का मानना था कि धोनी आईपीएल 2024 के बाद इस टूर्नामेंट को अलविदा कह देंगे, लेकिन धोनी ने घुटने की सर्जरी के बावजूद मैदान पर वापसी की और आईपीएल 2025 में एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आए। धोनी ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह आईपीएल 2026 में मैदान पर उतरेंगे या नहीं, लेकिन उन्होंने ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तान के रूप में वापसी का समर्थन किया है।

रद्द हो जाएगा भारत–पाकिस्तान के बीच होने वाला एशिया कप मैच

स्पोर्ट्स डेस्क। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना पाकिस्तान से 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर होना है जबकि तीसरा मुकाबला ओमान से 19 सितंबर को अबु धाबी में खेला जाएगा। भारतीय प्रशंसकों की मांग है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से इनकार कर देना चाहिए। हालांकि, अब तक इस पूरे मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले एशिया कप के मुकाबले को लेकर कयासों का दौर जारी है। भारतीय प्रशंसकों की मांग है कि टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए। हालांकि, अमीरात क्रिकेट बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) का मानना है कि एशिया कप में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना नहीं है।

डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेला था भारत

हाल ही में भारत चैंपियंस ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का मुकाबला खेलने से इनकार कर दिया था। टीम ने पहले लीग राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार किया था। इसके बाद युवराज सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने अपने फैसले पर अडिग रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच का बहिष्कार कर दिया था।

प्रशंसकों की मांग– पाकिस्तान से नहीं खेले भारत

ऐसी ही स्थिति एशिया कप में भी बनती दिख रही है। नौ सितंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद टीम का सामना पाकिस्तान से 14 सितंबर को दुबई अंतराष्ट्रीय स्टेडियम पर होना है जबकि तीसरा मुकाबला ओमान से 19 सितंबर को अबु धाबी में खेला जाएगा। भारतीय प्रशंसकों की मांग है

कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से इनकार कर देना चाहिए। हालांकि, अब तक इस पूरे मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी का जवाब

इस बीच अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) सुभान अहमद ने द नेशनल से बात करते हुए कहा कि भारत–पाकिस्तान मैच के रद्द होने की संभावना कम है। उन्होंने कहा, 'हम कोई गारंटी नहीं दे सकते, लेकिन एशिया कप की तुलना डब्ल्यूसीएल जैसे निजी आयोजन से करना ठीक नहीं है। जब एशिया कप में खेलने का फैसला लिया जाता है, तो पहले से सरकारी अनुमति ली जाती है। देशों के कार्यक्रम की घोषणा करने से पहले यह निश्चित रूप से किया गया है। इसलिए उम्मीद है कि हम डब्ल्यूसीएल जैसी स्थिति में नहीं होंगे।'

तीन बार भिड़ सकते हैं भारत और पाकिस्तान

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा, जहां दोनों एक बार भिड़ेंगी। इसके बाद सुपर फोर चरण में एक–दूसरे के खिलाफ एक और मुकाबला खेलने का मौका मिलेगा। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो उनके बीच तीसरी मुकाबला भी खेला जा सकता है।

टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई

बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

सफेद दाढ़ी और थकी हुई आखें... लंदन से आई विराट कोहली की इस तस्वीर ने तोड़ा फैंस का दिल, रिएक्शंस

नई दिल्ली,एजेंसी। सोशल मीडिया पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें उन्हें सफेद दाढ़ी और थकी हुई आखों के साथ देखा जा सकता है। उन्होंने ब्लैक कैप और एक स्वेटशर्ट पहन रखी है। प्रशंसकों ने उनकी इस तस्वीर पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है।

समय किसी का इंतजार नहीं करता। यह कहावत कहीं न कहीं विराट कोहली पर फिट बैठती है। टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके किंग कोहली इन दिनों लंदन में हैं और परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। सोशल मीडिया पर हाल ही में उनकी एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें उनका लुक देखकर प्रशंसकों की आखें चौंधिया गईं।

'सफेद दाढ़ी और थकी हुई आंखें..'

दरअसल, सोशल मीडिया पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें उन्हें सफेद दाढ़ी और थकी हुई आखों के साथ देखा जा सकता है। उन्होंने ब्लैक कैप और एक

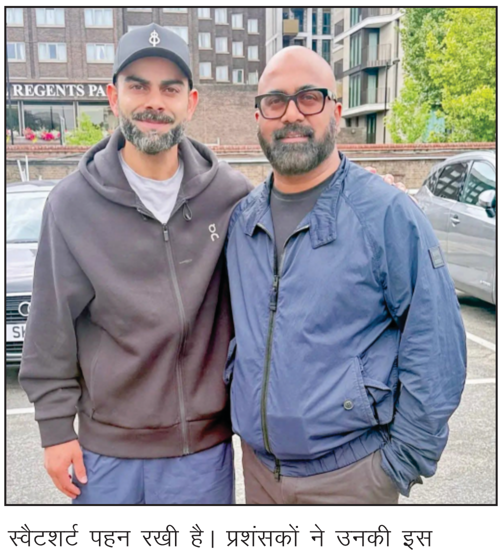

स्वेटशर्ट पहन रखी है। प्रशंसकों ने उनकी इस तस्वीर पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। एक प्रशंसक ने कहा, 'सफेद दाढ़ी, मंद पड़ती आग और थकी हुई आखें। जी हां, ये विराट कोहली हैं, लंदन से अपनी ताजा तस्वीर में। राजा ने अपनी तलवार रखनी शुरू कर दी है। हम शायद उस अंत तक पहुंच गए हैं जिसे हम कभी देखना ही नहीं चाहते थे।'

'दाढ़ी का रंग...'

आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले पर बात की थी। लंदन में आठ जुलाई को युवराज सिंह द्वारा आयोजित चैरिटी कार्यक्रम में कोहली ने कहा कि उनकी उम्र ने इस फैसले में बड़ी भूमिका निभाई है। कोहली ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैंने दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी को काला रंग दिया था। आप जानते हैं कि यह वो समय है जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी को रंग रहे हैं, तो आपको पता है कि यह आराम करने का समय है।'